RNI-UPHIN/2009/30721

रविवार 19 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06 :24 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 47 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 बिहार विधानसभा चुनाव में बेमेल गठजोड़ पर बवंडर

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 003 | गाजियाबाद, रविवार 19 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

अवकाश की सूचना
दिपावली पर्व के अवसर एनसीआर टुडे कार्यालय में 20 अक्टूबर 2025 दिन रविवार को अवकाश रहेगा। अगला अंक दिनांक 22 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित होगा। सभी पाठकों और देशवासियों को दिपावली की शुभकामनाएं। संपादक

रक्षा क्षेत्र के लिए दुर्लभ धातु सामग्रियां बनाना जरूरी: राजनाथ

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन द्वारा महत्वपूर्ण दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियमों को कड़ा किए जाने के बीच कहा है कि भारत के लिए जरूरी है कि प्रौद्योगिकी विकसित करने और अपनी प्रौद्योगिकी संप्रभुता की रक्षा के लिए वह रक्षा तथा एयरोस्पेस में इश्तेमाल की जाने वाली दुर्लभ धातु सामग्री देश में ही बनाये। श्री सिंह शनिवार को लखनऊ में पीटीसी इंडस्ट्रीज के स्ट्रैटेजिक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स में टाइटेनियम और सुपरअलॉय मैटेरियल्स प्लांट राष्ट्र को समर्पित कर रहे थे।

उन्होंने रक्षा, अंतरिक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य क्षेत्रों में इश्तेमाल की जाने वाली दुर्लभ खनिज सामग्रियों के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि केवल कुछ ही देशों के पास इन सामग्रियों को परिष्कृत करके उच्च-श्तरीय उत्पादों में बदलने की क्षमता है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह संयंत्र एयरो-इंजन घटकों और सुपर अलॉय घटकों का उत्पादन करने वाली निजी क्षेत्र की पहली विनिर्माण इकाइयों में से एक है। यह भारत के लिए दुर्लभ धातुओं को बनाने में काफ़ी मददगार साबित होगा।

श्री सिंह ने कहा, ' पहले भारत रक्षा और एयरोस्पेस के लिए आवश्यक उन्नत सामग्रियों और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए अन्य देशों पर निर्भर जिसके कारण रक्षा क्षेत्र का विकास धीमा था। अब टाइटेनियम और सुपरअलॉय मैटेरियल्स प्लांट जैसी पहल इस प्रवृत्ति में बदलाव का संकेत देती हैं।' उन्होंने दोहराया कि भारत सच्ची ताकत तभी हासिल कर पाएगा जब वह अपनी सामग्री, कलपुर्जे, चिप और मिश्रधातुओं को बना सकेगा।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस, एक्यूआई 'खराब' श्रेणी में

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत तापमान से 1.2 डिग्री अधिक है।

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। सापेक्षिक आद्रता सुबह 8.30 बजे 87 प्रतिशत रही।

आईएमडी के अनुसार अधिकतम तापमान करीब 32 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार को धुंध छाई रहने का अनुमान जताया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 252 रहा जोकि 'खराब' श्रेणी में आता है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच को 'मध्यम', 201 से 300 के बीच को 'खराब', 301 से 400 के बीच को 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर' माना जाता है।

पत्रकार पर हमला करने के मामले में जयंत पाटिल को अदालत ने दोषी करार दिया

✷ वेबवार्ता. कोल्हापुर, रायगढ़ ✷

महाराष्ट्र में अलीबाग के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एम बी अत्तर ने पत्रकार हर्षद

कशालकर पर हमले से जुड़े एक मामले में भारतीय शेतकारी कामगार पक्ष (बीएसकेपी) के मुख्य सचिव जयंत पाटिल को दोषी ठहराते हुए एक साल की सजा सुनाई और 5,000 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव की एक घटना से संबंधित है। अलीबाग के जिला खेल परिसर में मतगणना के दौरान पत्रकार कशालकर पर हमला किया गया था। इस संबंध में 24 मई, 2019 को अलीबाग पुलिस ने जयंत पाटिल, पंडित उर्फ सुभाष पाटिल और अभिजीत कडवे के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

मुकदमे के दौरान 19 गवाहों की गवाही हुई और जिरह के बाद अदालत ने पाटिल को दोषी पाया

मोजाम्बिक में नौका दुर्घटना में 3 भारतीय नागरिकों की मौत, 5 लापता

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

मोजाम्बिक के तट के पास चालक दल के सदस्यों को ले जा रही एक नाव के पलट जाने से लापता हुए लोगों में केरल के दो लोग भी शामिल हैं। केरल के दो लोगों सहित पांच भारतीय नागरिकों की तलाश के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है।

लापता युवकों की पहचान एर्नाकुलम के पिरावोम निवासी इंद्रजीत (22) और कोल्लम के चावरा निवासी श्रीराग (36) के रूप में हुई है। दोनों स्कॉर्पियो मरीन के कर्मचारी थे। कंपनी और भारतीय दूतावास ने आज सुबह श्रीराग के परिवार के सदस्यों को सूचित किया कि दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई है। इंद्रजीत, जिनके पिता संतोष भी उसी जहाज पर काम करते हैं, अभी भी लापता हैं।

मीडिया से बात करते हुए, लोकसभा सदस्य फ्रांसिस जॉर्ज ने कहा कि कंपनी इंद्रजीत के परिवार के सदस्यों को दुर्घटनास्थल पर हो रही प्रगति से अवगत करा रही है।

यह दुर्घटना गुरुवार को बेरा बंदरगाह के पास उस समय हुई जब रखरखाव कार्य के लिए एक लॉन्च बोट भारतीय चालक दल के सदस्यों को एमटी सी क्वेस्ट जहाज पर ले जा रही थी। समुद्र के बीच नाव पलट गई, जिससे 21 लोग फंस गए। 14 लोगों को बचा लिया गया, जबकि अब तक तीन लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

घटना के तुरंत बाद शुरू किए गए बचाव अभियान को कल खराब मौसम के कारण अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। स्थानीय अधिकारियों और मापुटो स्थित भारतीय उच्चायोग के सहयोग से आज सुबह जल्दी ही बचाव अभियान फिर से शुरू हो गया। इंद्रजीत पिछले मंगलवार को ही जहाज पर काम शुरू करने के लिए घर से निकले थे। दुर्घटना की खबर शुक्रवार देर शाम उनके परिवार को मिली।

श्रीराग कई वर्षों से कंपनी के साथ काम कर रहे थे। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि वह खोज और बचाव कार्यों में समन्वय के लिए मोजाम्बिक सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। अपडेट चाहने वाले परिवारों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं।

बताया जाता है कि लॉन्च बोट एमटी सी क्वेस्ट की ओर जा रही थी, तभी वह उबड़-खाबड़ पानी में डूब गई। अधिकारियों ने कहा कि मृतकों के शवों को बरामद करने और शेष लापता लोगों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बिहार चुनाव 2025 : मतदान वाले दिन सभी को मिलेगा सवेतन अवकाश, चुनाव आयोग की घोषणा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत निर्वाचन आयोग बिहार विधानसभा चुनाव और 8 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उपचुनावों की तारीखों की घोषणा कर चुका है। मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को सवेतन अवकाश देने का आदेश जारी किया गया है। आयोग ने कहा कि यह कदम मतदाताओं को अपने वोट का इश्तेमाल करने में आसानी प्रदान करने के लिए उठाया गया है।

बिहार में पहला चरण का मतदान 6 नवंबर को और दूसरे चरण की वोटिंग 11 नवंबर को होगी। इसके अलावा सभी 8 विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव भी 11 नवंबर को ही होंगे।

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135बी के तहत हर कर्मचारी, चाहे वह किसी व्यवसाय, उद्योग या अन्य प्रतिष्ठान में काम करता हो, मतदान के दिन सवेतन अवकाश पाने का हकदार है। इस दौरान उनकी तनख्वाह में कोई कटौती नहीं होगी। अगर कोई नियोक्ता इस नियम का उल्लंघन करता है तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। दैनिक वेतनभोगी और आकस्मिक कर्मचारी भी इस सुविधा के हकदार हैं।

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि जो लोग अपने मतदान क्षेत्र से बाहर अन्य जगहों पर नौकरी करते हैं, लेकिन अपने मूल मतदान क्षेत्र में वोटर हैं, उन्हें भी मतदान के दिन सवेतन अवकाश मिलेगा। इससे वे अपने वोट डालने के लिए समय निकाल सकेंगे। यह नियम सुनिश्चित करता है कि हर मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का पूरा मौका मिले।

निर्वाचन आयोग ने सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिया है कि वे इस नियम का सख्ती से पालन कराएं। इसके लिए सभी नियोक्ताओं और संबंधित विभागों को जरूरी हिदायतें जारी की जाएं। आयोग का मकसद है कि मतदान प्रक्रिया निष्पक्ष और सुगम हो, ताकि हर नागरिक बिना किसी परेशानी के वोट डाल सके।

मिशन शक्ति के तहत बालिकाओं को किया जागरूक

✷ **एनसीआर टुडे. रायपुर** ✷। मदरसा इस्लामिया अरबिया रायपुर सादात नगीना देहात में मिशन शक्ति 5.0 के तहत उ.नि बनी सिंह ,का 20 आशीष धामा महिला कॉन्स्टेबल विशाखा व कोमल द्वारा मिशन शक्ति के तहत कक्षा 6 से 8 की छात्राओं को विभिन्न सरकारी योजना व टोल फ्री नंबरों की जानकारी दी गई ।हेल्पलाइन नंबर से संबंधित वीडियो क्लिप दिखाई गई। जिसमें लगभग 100छात्राओं व समश्त स्कूल स्टाफ ने प्रति भाग लियासभी को सरकार द्वारा जारी विभिन्न टोलफ्री हेल्पलाइन नंबरों के बारे मे जागरूक करते हुए। पुलिस टीम मौजूद रही। थाना नगीना देहात, एंटी रोमिओ टीम द्वारा जोगिरमपुरी चौराहा, कोटकादर तिराहा, मंगल बाजार रायपुर आदि वाहन व्यक्ति, स्कूल के आसपास घूमने वाले तथा बाजार मे भीड़ भाड़ वाले क्षेत्र मे 25 व्यक्तियों व लड़को को चेक किया गया। हिदायत मुनासिब की गयी। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झक्काकी नगीना देहात में मिशन शक्ति 5.0 के तहत उ.नि बनी सिंह का 20 आशीष धामा महिला कॉन्स्टेबल विशाखा व कोमल द्वारा मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को विभिन्न सरकारी योजना व टोल फ्री नंबरों की जानकारी दी गई। हेल्पलाइन नंबर से संबंधित वीडियो क्लिप दिखाई गई। जिसमें लगभग 100छात्राओं व समश्त स्कूल स्टाफ ने प्रति भाग लिया।

ककराला में बुखार के मरीजो की स्वास्थय विभाग ने कैम्प लगाकर की जाँच

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम ककराला में बुखार फैलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर शिविर लगाकर मरीजों की जांच की गई। प्राप्त समाचार के अनुसार नहटौर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम ककराला के ग्राम प्रधान हेमराज सिंह की ओर से गांव में बुखार फैलने की सूचना दी गई। दर्जनों लोग बुखार से पीड़ित बताए जा रहे है। चिकित्सा अधिकारी नहटौर डा. आशीष कुमार आर्य के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर शिविर लगाया। आशीष कुमार आर्य ने बताया कि शिविर में 148 लोगों का पंजीकरण किया गया, जिसमें 140 मरीजों की जांच की गई। 22 मरीज बुखार से पीड़ित पाए गए। 40 मरीजों के खून के सैंपल लेकर स्लाइड बनाई गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवधेश कुमार, स्टाफ नर्स नीता, नसीम अहमद, बीपीएम अमित श्रीवाश्तव, बीएमडब्लू आशीष कुमार आदि मौजूद रहे। चिकित्सा अधिकारी आशीष आर्य का कहना है कि गांव में शिविर लगाकर जांच की गई है।

380 किलो पनीर एवं 350 किलो दूध कराया नष्ट

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में आगामी दीपावली के त्योहार पर आम जनमानस को सुरक्षित दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादन उपलब्ध कराने की दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा विभाग की दो टीम नियमित सघन निरीक्षण एवं प्रवर्तन की कार्वाई करते हुए तत्क्रम में 18 अक्टूबर 2025 को छापामार कार्यवाही की गई। विश्तृत जानकारी के अनुसार खाद्य सचल टीम ने मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज सिंह तोमर के नेतृत्व में प्रवर्तन कार्यवाही के अन्तर्गत सुदेशपुर गभाना में स्थित साहमत पनीर डेयरी का निरीक्षण कर सैंपलिंग की कार्यवाही कर 9 नमूने जिसमें पनीर के 5, मिश्रित दूध के 2 एवं एस.एम.पी., रिफाइंड पॉलमोलीन ऑयल संगृहीत किए गए। साथ ही प्रष्ठिन में पायी गयी अस्वथयकर एवं अस्वच्छकर परिस्थिति में खाद्य पदार्थ निर्माण के सम्बन्ध में सुधार नोटिस निर्गत एवं जल्दी खराब होने के कारण खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के सुसंगत प्रावधानों के तहत 380 किलोग्राम पनीर मूल्य 98800 एवं 350 किलोग्राम दूध मूल्य 20300 नष्ट कराया गया। साथ ही रिफाइंड पामोलीन तेल 73 किलोग्राम मूल्य 13578 एवं स्किम्ड मिल्क पाउडर 48 किलोग्राम मूल्य 14304 जब्त भी किया गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त मिलावट की प्रकृति के अनुरूप खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत नियमानुसार विधिक कार्यवाही सम्पादित की जायेगी।

एएमयू छात्र व उसके साथियों पर मुकदमा दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। एएमयू कैंपस में सोलर लाइट के खंभे पर लगी सीएम योगी आदित्यनाथ की फोटो वाली पट्टिका को हटाने के मुद्दे ने नया मोड़ ले लिया है। पुलिस ने एएमयू के छात्र और उसके साथियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। एएमयू में सीएम योगी के फोटो वाली पट्टिका हटवाने पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की ओर से मुकदमा लिखा गया है। जिसमें दो दिन पहले हुए घटनाक्रम पर एएमयू छात्र मो. रेयान व उसके अज्ञात साथियों पर सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। मुकदमे में पब्लिक प्रोपर्टी डैमेज एक्ट के तहट तस्वीर हटाने व ठेकेदार से अभद्रता करने का आरोप लगाया गया है। एएमयू के पूर्व कुलपति और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो. तारिक मंसूर ने अपनी एमएलसी निधि से एएमयू में इंजीनियर कॉलेज वाले हिस्से में 16 सोलर लाइटें लगवाई थीं। इन लाइटों पर पट्टिका भी लगाई गई जिस पर उल्लेख था कि यह लाइटें किस निधि से और किसके सौजन्य से लगाई गई हैं। एक साइड में मुख्यमंत्री की फोटो भी है। इसी को लेकर 16 अक्तूबर को एएमयू के कुछ छात्रों ने एतराज करते हुए हंगामा कर दिया। छात्रों ने सीढ़ी लगाकर एक लाइट से वह पट्टिका उतरवाई।

दिल्ली की हवा हुई जहरीली... अभी पटाखे और फसलों की कटाई भी शुरु नहीं हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता शुक्रवार को लगातार चौथे दिन खराब श्रेणी में रही, दिवाली से पहले प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने शाम 4 बजे शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 254 दर्ज किया, जो खराब श्रेणी के अंदर है। धुंध की चादर आसमान में छाई रही और प्रमुख इलाकों में दृश्यता कम रही।

एक्यूआईसीएन के अनुसार, शनिवार सुबह वज़ीराबाद में एक्यूआई 323 था। जहाँगीरपुरी में यह 248 रहा। इसी तरह, बुराड़ी में एक्यूआई 218, पंजाबी बाग में 212, सत्यवती कॉलेज में 213, सोनिया विहार में 198, मुंडका में 197, आरके पुरम में 195, नरेला में 194, आईटीओ में 192 और अलीपुर में 187 रहा।

इस बीच,भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि शुक्रवार को न्यूनतम तापमान गिरकर 18.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जो मौसम के सामान्य से 1.2 डिग्री कम था। इस बीच, अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि सापेक्ष आर्द्रता 74 प्रतिशत दर्ज की गई।

वहीं दिल्ली के पड़ोसी जिले गाजियाबाद के लोनी में एक्यूआई 293 रहा। वहीं, संजय नगर में यह 284, इंदिरापुरम में 226 और वसुंधरा में 219 दर्ज किया गया। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क में यह 214 रहा, जबकि नोएडा के सेक्टर 116 में एक्यूआई 213 और सेक्टर 124 में 193 रहा। एक्यूआईसीएन के अनुसार, गुरुग्राम के सेक्टर 51 और ग्वाल पहाड़ी में एक्यूआई क्रमशः 185 और 167 दर्ज किया गया। वहीं सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच को संतोषजनक, 101 से 200 के बीच को मध्यम, 201 से 300 के बीच को खराब, 301 से 400 के बीच को बहुत खराब और 401 से 500 के बीच को गंभीर माना जाता है।

वहीं दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई के बिगड़ते स्तर को देखकर ग्रैप पर सीएमक्यूएम उप-समिति ने चरण-1 के तहत उल्लिखित 27-सूत्रीय कार्य योजना को सक्रिय करने का निर्णय लिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बढ़ते कण पदार्थ (पार्टिकुलेट मैटर) से जुड़े बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर चेतावनी दी है। पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. शरद जोशी ने बताया, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसके कारण फसल जलने, वाहनों से निकलने वाले धुएं और आतिशबाजी जैसे स्रोतों से कण प्रदूषकों का स्तर बढ़ गया है। इससे सीओपीडी, अस्थमा जैसी पहले से मौजूद बीमारियों और तपेदिक से पीड़ित लोगों में श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं, जिससे खांसी, बुखार, सांस फूलना और सीने में दर्द जैसे लक्षण बढ़ जाते हैं... यहाँ तक कि जिन लोगों को पहले से श्वसन संबंधी कोई समस्या नहीं है, खासकर बच्चे और बुजुर्ग, कमजोर प्रतिरक्षा के कारण जोखिम में हैं।

डॉ. जोशी ने आगे कहा, दिवाली के दौरान ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल से पारंपरिक आतिशबाज़ी की तुलना में कम प्रदूषक निकलते हैं, लेकिन ये पूरी तरह से हानिरहित नहीं हैं... वाहनों से निकलने वाला धुआँ साल भर प्रदूषण बढ़ाता है, लेकिन अक्टूबर और नवंबर के दौरान यह समस्या और भी बदतर हो जाती है... प्रदूषण के प्रभावों को कम करने के लिए, कारपूलिंग के ज़रिए वाहनों का इस्तेमाल कम करने, वाहनों के प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित रखने, घर के अंदर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करने, रसोई में उचित वेंटिलेशन सुनिश्चित करने, धूपबत्ती जैसे घर के अंदर प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों से बचने और सांस की समस्याओं वाले लोगों को नियमित दवा लेते रहने और निवारक टीकों पर विचार करने का सुझाव दिया जाता है।

बिंदल्स पेपर्स मिल्स लिमिटेड यूनिट शुगर एण्ड डिस्टलरी चांगीपुर के नये गन्ने कार्यालय का हुआ उद्घाटन

एनसीआर टुडे. नूरपुर। गोहावर क्षेत्र के बिंदल्स पेपर्स मिल्स लिमिटेड यूनिट शुगर एण्ड डिस्टलरी में नये गन्ने कार्यालय का उद्घाटन किया गया।जिसका विधिवत रूप से हवन पूजन किया गया। पूजन में मुख्य यजमान गन्ना मिल अध्यासी जितेंद्र मलिक व महाप्रबंधक शशी गुप्ता रहे। हवन-पूजन में मिल अधिकारी पवन गुप्ता, मुकेश मित्तल, सतेन्द्र गिरी, शांतुना भारद्वाज, इंद्रवीर सिंह, राजवीर सिंह, सरूर आलम जैदी,भूपेन्द्र सिंह, विपिन चौधरी, आदि मुख्य गन्ना प्रबंधकों व मिल कर्मचारियों साथ मिलकर आहुति दी गई।

सर सय्यद अहमद खान की जयन्ती पर की गयी कुरान ए पाक की तिलावत स्योहारा। कांग्रेस नेता अरशद जमील, अहसन जमील व अथर जमील के निवास स्थान पर सर सैयद अहमद ख़ान साहब के जन्मदिन के मौके पर कुरान ए पाक की तिलावत की गई और उनके लिए विशेष दुआएं की गईं।

इस मौके पर बड़ी तादाद में लोग मौजूद रहे और दुआ के बाद खाने का एतमाम किया गया। साथ ही उनकी सेवाओं और कुर्बानियों को भी याद किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने सर सैयद अहमद ख़ान (1817–1898) के जीवन और योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे 19वीं सदी के प्रख्यात समाज सुधारक, शिक्षाविद और दूरदर्शी नेता थे। उन्होंने न केवल मुसलमानों के सामाजिक व शैक्षिक उत्थान के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए आधुनिक शिक्षा और जागरूकता का मार्ग प्रशश्त किया। उन्होंने अलीगढ़ आंदोलन की शुरुआत की और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की स्थापना की, जिसका उद्देश्य लोगों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ना और उनकी धार्मिक व सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखना था।

उनके प्रयासों ने शिक्षा और समाज में नई चेतना का संचार किया, जिससे सभी वर्गों को लाभ पहुंचा। इस मौक़े पर शहर के उलमा ए कराम और ज़िम्मेदार व्यक्ति मौजुद रहे।

सांसद यूसुफ पठान ने प्राचीन मस्जिद का किया दौरा, बीजेपी ने बताया मंदिर

–बंगाल में इलियास वंश के दूसरे शासक सिकंदर शाह ने बनवाई थी मस्जिद

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान ने बंगाल में एक प्राचीन मस्जिद का दौरा किया, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने एक्स पर पुरातात्विक स्मारक की तस्वीरों के साथ लिखा- मालदा में स्थित अदीना मस्जिद को 14वीं शताब्दी में इलियास शाही वंश के दूसरे शासक सुल्तान सिकंदर शाह ने बनवाया था। इसे 1373-1375 ईस्वी में बनाया था, जो अपने समय में भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे बड़ी मस्जिद थी। यह क्षेत्र की वास्तुशिल्प कला का प्रदर्शन करती है। टीएमसी सांसद के पोस्ट का जवाब देते हुए बीजेपी की बंगाल यूनिट ने दावा किया और इसे आदिनाथ मंदिर कहा। आधिकारिक एएसआई वेबसाइट के मुताबिक अदिना मस्जिद 1369 ईस्वी से मुस्लिम वास्तुकला का शानदार उदाहरण है। इसे बंगाल सल्तनत के इलियास वंश के दूसरे शासक सिकंदर शाह की ओर से बनवाया गया था। इसमें उनकी कब्र भी है। यूजर्स ने भी इस मामले पर प्रतिक्रियाएं दी हैं। उन्होंने सांसद को बताया कि जिस स्मारक की वह बात कर रहे हैं, उसे मंदिर पर बनाया गया था। इसके लिए कई ऐतिहासिक घटनाक्रमों का हवाला दिया जा रहा है। एक पुजारी हिरण्मय गोस्वामी ने हिंदू देवी-देवताओं को देखने का दावा किया और कहा था कि मस्जिद एक मंदिर पर बनाई गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक हिरण्मय गोस्वामी और दूसरे पुजारियों ने प्रार्थना सभा भी आयोजित की थी। हालांकि स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और उन्हें रोक दिया। बाद में, पुरातत्व सर्वेक्षण ऑफ इंडिया ने गोस्वामी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस घटना के कारण मस्जिद को बंद कर दिया गया।

पीएम मोदी के आरोप पर भड़के प्रमोद तिवारी, कहा- कांग्रेस ने माओवादियों से हमेशा लड़ाई लड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने शनिवार को एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी माओवादी और नक्सली खतरों सहित सभी प्रकार की हिंसा और उग्रवाद के खिलाफ लगातार मजबूती से खड़ी रही है। समिट को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान के प्रति सार्वजनिक रूप से निष्ठा प्रदर्शित करते हुए, माओवादी उग्रवाद को पनाह दी है। उन्होंने कहा, 'जो लोग संविधान की प्रतियों का दिखावा करते हैं, वे माओवादी आतंक को पनाह देते रहते हैं।'

प्रधानमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, तिवारी ने एएनआई को बताया कि कांग्रेस पार्टी हिंसा के सामने पीछे नहीं हटी है। उन्होंने माओवादी हमलों में छत्तीसगढ़ के लगभग पूरे नेतृत्व को खोने की याद दिलाई। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और कई बलिदान दिए। आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की शहादत देखी और अनगिनत कांग्रेस नेताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी। माओवादियों और नक्सलवादियों के कारण हमने छत्तीसगढ़ का लगभग पूरा नेतृत्व खो दिया... हमने उनके सामने आत्मसमर्पण नहीं किया और न ही झुके। हम उनके खिलाफ लड़ते हैं।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 'हम यह स्पष्ट रूप से कहना चाहते थे कि देश में जो भी हिंसा का इस्तेमाल करेगा, हम हमेशा उसके खिलाफ खड़े रहेंगे।' शुक्रवार को, पिछले 75 घंटों में 303 नक्सलियों के आत्मसमर्पण का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब देश पूरी तरह से नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा और माओवादी आतंकवाद से मुक्त क्षेत्रों में दिवाली का उत्सव वाकई खास होने वाला है।

एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ लोगों ने नक्सलवाद का इस्तेमाल लापरवाही से किया है, लेकिन वास्तव में, यह माओवादी आतंकवाद है। उन्होंने कहा कि माओवादी आतंकवाद 'हमारे देश के युवाओ के साथ एक बड़ा अन्याय, एक गंभीर पाप' है और वह इस देश के युवाओं को ऐसी स्थिति मे नहीं छोड़ सकते। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हे अंदर से गहरी बेचैनी महसूस होती थी, लेकिन वह लंबे समय तक चुप रहे। उन्होंने कहा, 'आज पहली बार मैं अपना दर्द आपके साथ साझा कर रहा हूँ।'

बिहार चुनाव: कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची जारी, राहुल-प्रियंका करेंगे तूफानी दौरे

–प्रथम चरण के लिए 40 स्टार प्रचारक, कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव प्रचार अब जोर पकड़ने लगा है। कांग्रेस ने बिहार चुनाव के प्रथम चरण के मतदान के लिए अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी इसमें शामिल हैं। इनके अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री समेत कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी बिहार में प्रचार करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस ने पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को भी इस चुनाव प्रचार सूची में जगह दी है। इनके अलावा कन्हैया कुमार, अखिलेश प्रसाद सिंह, रंजीता रंजन, राजेश राम, शकील अहमद खान, मदन मोहन झा, कृष्णा अल्लावरु के भी नाम शामिल हैं। वहीं केसी वेणुगोपाल, सुखविंदर सिंह सुखु, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, दिग्विजय सिंह, अधीर रंजन चौधरी, मीरा कुमार, सचिन पायलट, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सैयद नासिर हुसैन, चरणजीत सिंह चन्नी, गौरव गगोई, तारिक अनवर, मोहम्मद जावेद, मनोज राम, अलका लांबा, पवन खेड़ा, इमरान प्रतापगढ़ी, शकील अहमद, जीतू पटवारी, सुखदेव भगत, राजेश कुमार राम, शकील अहमद खान, मदन मोहन झा, अजय राय, जिग्नेश मेवानी, अनिल जयहिंद, राजेंद्र पाल गौतम, फुरकान अंसारी, उदय भानु चिब, सुबोध कांत सहाय का नाम भी स्टार प्रचारकों में है।

बिहार में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होना है। 6 नवंबर को पहला चरण जबकि दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा। इसमें महागठबंधन के किस पार्टी के कितने उम्मीदार मैदान में उतरेंगे इस पर पिक्चर अभी तक साफ नहीं हो पाई है। कई सीटों पर दोस्ताना संघर्ष है। दरअसल महागठबंध में सीट का पेंच फंसा है। शनिवार को पटना में कांग्रेस की अहम बैठक होना है। राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के बाद बिहार में कांग्रेस की ताकत बढ़ी है। इसके मद्देनजर पार्टी ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। लेकिन आरजेडी कांग्रेस की मांग पर सहमत नहीं है। वैशाली की दो सीटों पर कांग्रेस और राजद ने अपने उम्मीदवारों को टिकट देकर नामांकन भी करवा दिया है।

अवैध धर्मांतरण मामला : कुलपति पर चल रहे 5 मामले सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किए

लखनऊ (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि आपराधिक कानून का उपयोग निर्दोष लोगों को परेशान करने के लिए नहीं किया जा सकता है। अदालत ने उत्तर प्रदेश के सम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज के कुलपति राजेंद्र बिहारी लाल और अन्य के खिलाफ जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में दर्ज की गई पांच एफआईआर को रद्द कर दिया है।बता दें कि कुलपति राजेंद्र बिहारी लाल और विनोद लाल पर विदेश से अवैध चंदा लेकर भारत में धर्म परिवर्तन का रैकेट चलाने, गरीब और कम आय वाले लोगों को लालच देकर या डरा कर उनका धर्म परिवर्तन करने, मारपीट, गैर इरादतन हत्या, गैंगरेप समेत कई आरोप हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अवैध धर्मांतरण से जुड़े 5 मामलों में उन्हें राहत दी है। लेकिन आईपीसी की धारा 304, 306 और 504 के तहत दर्ज एक केस को जारी रखने के लिए कहा है।

न्यायमूर्ति जे बी पारडीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने साफ किया है कि फिलहाल इस मामले में भी उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी। न्यायमूर्ति जेबी पारडीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जांच के दौरान ऐसे कोई ठोस सबूत नहीं मिले जिनसे पता चले कि धर्मांतरण दबाव या प्रलोभन के माध्यम से कराया गया था। अदालत ने विशेष रूप से यह भी स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश धर्मांतरण निषेध अधिनियम, 2021 की धारा 4 के अनुसार, शिकायत केवल पीड़ित व्यक्ति या उसके परिवार के सदस्य की ओर से ही दर्ज की जा सकती है, न कि किसी बाहरी या तीसरे व्यक्ति के जरिए। दरअसल, इनमें से एक एफआईआर विश्व हिंदू परिषद के नेता की शिकायत पर दर्ज की गई थी, जिसमें अप्रैल 2022 में फतेहपुर में हुए कथित सामूहिक धर्मांतरण कार्यक्रम का आरोप था। अदालत ने कहा कि अगर बाहरी लोगों को शिकायत दर्ज कराने की छूट दी जाती है तो यह संबंधित व्यक्ति के अधिकारों में अनुचित हस्तक्षेप होगा। सुप्रीम कोर्ट ने आगे स्पष्ट किया कि धार्मिक स्वतंत्रता संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार है और राज्य सरकारों को चाहिए कि वे ऐसे मामलों में शिकायतों की निष्पक्ष और संवैधानिक रूप से जांच करें, ताकि किसी निर्दोष व्यक्ति को झूठे मामलों में न फँसाया जाए।

टूटेगा वर्ल्ड रिकॉर्ड: 26 लाख दीपक से सजेगी अयोध्या और 2100 लोग करेंगे महाआरती

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में दीपोत्सव की भव्य तैयारियां जोरों पर हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम लगभग 150 सदस्यों के साथ अयोध्या पहुंच चुकी है और इस बार इतिहास दोहराने से आगे बढ़कर, नया इतिहास रचने का लक्ष्य है। इस बार अयोध्या में एक साथ तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए जाएंगे। 26 लाख,11 हजार 101 दीपक जलाकर कीर्तिमान स्थापित करने की तैयारी में अवध विश्वविद्यालय के 35,000 वालंटियर जुटे हैं। वहीं, 2,100 लोगों द्वारा सामूहिक आरती का रिकॉर्ड भी बनाने की योजना है, जिसके लिए गिनीज बुक की टीम मौजूद है। अब सवाल उठता है कि गिनीज टीम एक-एक दीपक की गिनती कैसे करती है और क्या इसमें तकनीक का इस्तेमाल होता है।

गिनीज टीम के एडवाइजर निश्चल बारूल के मुताबिक, इस बार काउंटिंग के लिए तीन अलग-अलग पद्धतियों का इस्तेमाल किया जाएगा। हाई-टेक सॉफ्टवेयर, ड्रोन और डिजिटल अकाउंटिंग के ज़रिए दीपों की गिनती की जाएगी, ताकि हर एक दीये का सटीक आंकड़ा सामने आ सके गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम के सदस्य निश्चल ने बताया कि पिछले वर्ष लगभग 25 लाख 12000 दीपक जलाए गए थे इस वर्ष लक्ष्य 26,11,101 दीपक जलने का है और राम की पैड़ी के तटों पर 29 लाख दीपक बिछाए जाएंगे।

2100 लोग करेंगे सरयू की महाआरती

इस भव्य आयोजन के लिए 190 लोगों की टीम दिन-रात काम में जुटी है और सिर्फ दीप ही नहीं, बल्कि सरयू की महाआरती भी इस साल इतिहास रचने वाली है। 2100 लोग एक साथ सरयू की महाआरती करेंगे और इसका भी रिकॉर्ड दर्ज कराने की तैयारी हो रही है। ड्राई रन के लिए विशेष सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है, जो हर मूवमेंट और संख्या पर पैनी नजर रखेगा। गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम के सदस्य निश्चल ने बताया कि हम तीन तरह की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे हैं- ड्राई रन, ड्रोन, और डिजिटल अकाउंटिंग, ताकि रिकॉर्ड एकदम पारदर्शी और प्रमाणिक हो।

सीएम को विदुर उत्पाद का दिया उपहार

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में नहटौर विधायक ओम कुमार ने शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने विदुर ब्रांड के स्वदेशी उत्पाद उपहार स्वरूप मुख्यमंत्री को भेंट किये। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विधायक ओम कुमार ने वार्ता की और नहटौर विधानसभा के लिए 25 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन कंपोजिट विद्यालय की निधि स्वीकृत करने पर आभार जताया। साथ ही दीपावली की शुभकामनाएं दी। विधायक ओम कुमार ने भाजपा संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह, वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना से भी शिष्टाचार भेंट की।

अब एस.एन.एस.एम. कालेज के मैदान मे होगी पटाखो की बिक्री

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। दीपावली पर्व पर जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आतिशबाजी का बाजार लगाया जाता था।

जिसके तहत गुरुवार की शाम को ए स डी ए म धामपुर स्मृति मिश्रा ने जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। आबादी में होने के कारण स्थान को परिवर्तन करके नहटौर के एसएनएसएम इंटर कॉलेज को चयनित किया, जिसके तहत शुक्रवार की सायं को आतिशबाजी की दुकान लगाने के लिए दुकानदार नहटौर के एसएनएसएम इंटर कालेज में पहुंचे। वहां उन्हें कॉलेज की ओर से परमिशन का फॉर्म दिया गया और भूमि को आवंटित किया ।

जज बनकर 35 लाख रुपये का लोन लेने एचडीएफसी बैंक पहुंची

महिला, अधिवक्ता एवं चालक संग गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जज बनकर एक महिला के द्वारा बड़ा फर्जीवाड़ा करने का मामला सामने आया। आयशा परवीन नाम की महिला एक वकील और चालक के साथ बैंक में लोन लेने के लिए पहुंची। शक होने पर बैंक ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार आयशा परवीन पत्नी मौ० सुलेमान, निवासी ग्राम धुंधेरा कला, थाना चरथावल, जनपद मुजफ्फरनगर (आयु 28 वर्ष) अपने साथी अनस पुत्र बाबू अहसान निवासी ग्राम किशनवाली थाना मण्डावर, जनपद बिजनौर तथा वाहन चालक नीरज कुमार पुत्र स्व० रामकुमार निवासी रोशनाबाद, सिविल लाइन, जनपद रामपुर के साथ HDFC बैंक, सिविल लाइन बिजनौर पहुंची।

महिला ने स्वयं को न्यायिक अधिकारी बताते हुए पहचान पत्र दिखाया और 35,00,000/- के ऋण संबंधी कागजात

प्रस्तुत किए। बैंक कर्मियों को शक होने पर उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली शहर पुलिस व साइबर टीम मौके पर पहुंची और तीनों व्यक्तियों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पुलिस ने बताया कि जिस वाहन (UP12/DW1458) से आरोपी पहुंचे थे, उस पर भी "न्यायाधीश" लिखा हुआ था।

जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी फर्जी पहचान पत्र और दस्तावेजों के आधार पर बैंक से भारी भरकम ऋण लेने की योजना बना रहे थे। इस संबंध में 16 अक्टूबर 2025 को ही थाना कोतवाली शहर पुलिस ने मुकदमा संख्या 881/2025 धारा 318(4)/338/336(3)/340(2) बीपीएमएस के तहत पंजीकृत किया था।

छेड़खानी के आरोप में युवक गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

थाना नजीबाबाद क्षेत्र में एक युवती के साथ छेड़खानी की घटना सामने आई

है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना की जानकारी मिलते ही नजीबाबाद पुलिस सक्रिय हुई और आरोपी को पकड़ने के लिए टीम गठित की गई। कुछ ही समय में आरोपी युवक को गिरफ्तार कर थाने लाया गया।

मामले में सीओ नजीबाबाद ने बताया कि युवती के साथ छेड़खानी की घटना को गंभीरता से लिया गया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। महिलाओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि इस तरह की घटनाओं की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि आरोपियों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

नगर निगम में धूमधाम से मना दीपावली मिलन समारोह, इको-फ्रेंडली मनाने का आव्हान

✷ एनसीआर टुडे. मथुरा ✷

नगर निगम मथुरा-वृन्दावन के भूतेश्वर कार्यालय में शनिवार को दीपावली मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर महापौर विनोद अग्रवाल एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश ने उपस्थित सभी पार्षदगणों को दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज, यम द्वितीया एवं छठ पूजा की शुभकामनाएँ देते हुए उपहार भेंट किए। कार्यक्रम में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारीगण भी सम्मिलित रहे।

महापौर श्री अग्रवाल ने सभी से स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को प्रोत्साहित करने और इको-फ्रेंडली दीपावली मनाने का आव्हान किया।

सभी ने उनके इस संदेश का एकमत होकर समर्थन किया तथा यह संकल्प लिया कि आने वाले त्योहारों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और स्वदेशी भावना के साथ मनाएंगे हुए नागरिकों को भी इसके लिए प्रेरित किया जाएगा।

इस अवसर पर नगर निगम परिवार ने यह भी संकल्प लिया कि मथुरा-वृन्दावन को स्वच्छ, सुंदर एवं विकसित शहर बनाने के लिए सभी मिलकर निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

एसडीएम के आवास पर 50 हजार की रिश्वत लेते हुए लेखपाल गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गौतम बुद्ध नगर में तैनात एक लेखपाल और उसके सहयोगी को दादरी के एसडीएम आवास के बाहर 50 हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।भ्रष्टाचार निवारण संगठन-मेरठ के प्रभारी निरीक्षक मयंक अरोड़ा ने बताया कि 15 अक्टूबर को धूम माणिकपुर गांव के निवासी महेश चंद शर्मा ने शिकायत की थी कि उसकी जमीन की पैमाइश करने और उसके पक्ष में रिपोर्ट जारी कराने के नाम पर लेखपाल दर्शन कुमार एक लाख रुपये की रिश्वत मांग रहा है। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर एक टीम बनाकर जांच की गई, तो लेखपाल की छवि ठीक नहीं पाई गई।

अरोड़ा ने बताया कि टीम की रिपोर्ट के आधार पर एक विशेष टीम बनाकर लेखपाल को पकड़ने की योजना बनाई गई। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि लखनऊ मुख्यालय से आदेश प्राप्त करने के बाद 17 अक्टूबर को टीम ने गौतम बुद्ध नगर के जिलाधिकारी से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की जानकारी दी।

अरोड़ा ने बताया कि 17 अक्टूबर की रात को शिकायतकर्ता के साथ टीम ने लेखपाल के खिलाफ जाल बिछाया। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि इसके बाद शिकायतकर्ता ने लेखपाल को फोन किया तो उसने कहा कि वह दादरी एसडीएम के आवास पर है, जिसके बाद शिकायतकर्ता रिश्वत के पैसे लेकर वहां पहुंचा। अरोड़ा ने कहा कि वहां पहुंचने के बाद आरोपी ने शिकायतकर्ता से रिश्वत के पैसे उसके एक सहयोगी मोहसिन खान को देने के लिए कहा और जमीन से संबंधित दश्तावेज ले लिए। पुलिस अधिकारी ने कहा कि पैसे और दश्तावेज लेते समय टीम ने आरोपी लेखपाल और उसके सहयोगी को पकड़ लिया। अरोड़ा ने कहा कि टीम को लेखपाल की कार की तलाशी के दौरान चार लाख 71 हजार रुपये नकदी और दश्तावेज मिले हैं। लेखपाल की गिरफ्तारी की जानकारी दादरी के एसडीएम अनुज नेहरा और तहसीलदार अजय कुमार को दी गई।

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने के बाद वांछित अपराधी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद में शनिवार को पुलिस मुठभेड़ के बाद एक वांछित अपराधी और दिल्ली के एक गैंगस्टर के करीबी सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान लोनी अनुमंडल के अगरौला गांव के निवासी कैलाश के रूप में हुई है, जो जेल में बंद गैंगस्टर की ओर से रेत खनन ठेकेदारों से कथित तौर पर जबरन वसूली कर रहा था। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान उसके एक पैर में गोली लग गई।

शालीमार गार्डन के सीओ अतुल कुमार सिंह ने कहा, 'कैलाश फिलहाल उत्तर-पूर्वी दिल्ली की मंडोली जेल में बंद एक कुख्यात अपराधी दीपक का एक प्रमुख सहयोगी है। कैलाश और उसके साथी यमुना नदी के किनारे लोनी के पचायरा गांव के पास ठेकेदारों से जबरन वसूली में शामिल थे।' अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, टीला मोड़ पुलिस ने जांच अभियान शुरू किया और इस दौरान मोटरसाइकिल चला रहे कैलाश ने रुकने का इशारा करने पर भागने की कोशिश की, लेकिन वह नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गया। अधिकारी ने बताया, 'इसके बाद वह पास के खेतों में भाग गया और पुलिस टीम पर गोलियां चला दीं। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और उसके एक पैर में गोली लग गई।' पूछताछ के दौरान, कैलाश ने कबूल किया कि उसने दीपक के निर्देश पर एक ठेकेदार से एक लाख रुपये प्रति माह की मांग की थी और न देने पर उसे जान से मारने की धमकी दी थी।

अधिकारी ने बताया, 'कैलाश और उसके साथियों के खिलाफ जबरन वसूली के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।'

फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता रैली निकालकर किसानों को किया जागरूक

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

कृषि विज्ञान केंद्र नगीना बिजनौर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र नगीना में जनपद शतरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र नगीना के प्रभारी अधिकारी डा. के के सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान साथियों अपनी फसलों के अवशेषों को ना जलाएं। फसलों के अवशेषों को जलाने से मृदा, वायु ,वातावरण आदि में गंभीर नुकसान होते हैं। फसलों के अवशेषों को सुरक्षित बना करके रखें उससे अन्य तरीके अपना करके उनको अपने खेत की मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाएं ।साथ ही साथ वातावरण को प्रदूषित होने से बचाएं। साथ ही डा. सिंह ने बताया कि किसान भाई अपनी खेती मे गेंहू, सरसो और मसूर की बायोफोर्टीफाइड प्रजातियो को शामिल करके उच्च उत्पादन के साथ साथ अतिरिक्त आय की प्राप्ति करे।

गन्ना की उच्च उत्पादन तकनीक की अधिक जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र नगीना की वैज्ञानिक डॉ. शिवांगी ने उपस्थित कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान भाई अपने फसलों के अवशेष जो बचते हैं ।उनका उपयोग अन्य तरीके अपनाकर सुरक्षित कर सकते हैं, एवं आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं। साथ ही मृदा परीक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन की तकनीक पर विश्तृत रूप से जानकारी दी।

उक्त कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ पिन्टू कुमार ने उपस्थित कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान भाई अपने फसलों के अवशेष जो बचते हैं । उनका उपयोग अन्य तरीके अपनाकर सुरक्षित कर सकते हैं, एवं आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं।

जैसे गेहूं के भूसे से, धान की पराली से मशरूम उत्पादन कर सकते हैं, साथ ही साथ पराली से गत्ते और जैसे उत्पाद बनाए जा सकते हैं। फसल अवशेषों को अतिशीघ्र खेत में समाहित करने हेतु डिकम्पोजर के प्रयोग की तकनीकी बतायी। डा.प्रतिमा वैज्ञानिक कृषि विज्ञान नगीना ने किसानों से अनुरोध है क्या के किसान साथियों अपने खेतों में पराली जलाएं नहीं, बल्कि उनका उपयोग खेती में मल्च तकनीक के रुप में करें।

सर्वसाधारण सूचना

परिषद की वसुन्धरा योजना गाजियाबाद में विस्थापित कोटे के अन्तर्गत व्यवसायिक भूखण्ड पंजीकरण संख्या-045/005/आर-7/ 00008834 श्रीमतौ सत्यवती उर्फ सन्तो पत्नी श्री फूल सिंह, निवासी-म०नं0-303, साहिबाबाद गाजियाबाद के पक्ष में पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या-6215 दिनांक 17.05.2000 द्वारा आरक्षित है। मौहम्मद याकूब पुत्र श्री हाजी हसीमुद्दीन ने अपने प्रार्थना पत्र दिनांक 18.09.2025 द्वारा कार्यालय को सूचित किया है कि श्रीमती सत्यवती उर्फ सन्तो पत्नी श्री फूल सिंह का स्वर्गवास दिनांक 25.02.2025 को हो गया है, एवं उक्त पंजीकरण की पंजीकृत वसीयत अपने जीवनकाल में मेरे नाम पर उप निबंधक प्रथम गाजियाबाद के कार्यालय बही सं0-3 जिल्द सं0-500 पृष्ठ सं0-323 से 332 पर क्रमांक 170 दिनांक 07.05.2013 को पंजीकृत करायी गयी है। श्रीमती सत्यवती उर्फ सन्तो पत्नी श्री फूल सिंह की मृत्युोपरान्त उक्त भूखण्ड का पंजीकरण, पंजीकृत वसीयत के आधार पर अपने नाम दर्ज कराना चाहते हैं, जिसके लिए मौहम्मद याकूब पुत्र श्री हाजी हसीमुद्दीन द्वारा निम्न प्रपत्र कार्यालय में जमा किये है। श्रीमती सत्यवती उर्फ सन्तो पत्नी श्री फूल सिंह का प्रमाणित मृत्यु प्रमाण पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धकनामा, रु0-10.00 के स्टाम्प पेपर पर नोटरी द्वारा प्रमाणित कराकर, फोटो व हश्ताक्षर राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित कराकर प्रपत्र प्रश्तुत किये गये है। लाभार्थी मौहम्मद याकूब पुत्र श्री हाजी हसीमुद्दीन के पक्ष में भूखण्ड का पंजीकरण का अन्तरण किये जाने पर किसी अन्य को कोई आपत्ति हो तो पत्र निर्गत होने की दिनांक से 21 दिनों के अन्दर साक्ष्यों सहित अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में जमा कर सकते हैं। अन्यथा निर्धारित तिथि के बाद भूखण्ड का पंजीकरण का अन्तरण लाभार्थी के पक्ष में कर दिया जायेगा, तदोपरान्त आपका कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।

अतः श्रीमती सत्यवती उर्फ सन्तो पत्नी श्री फूल सिंह की मृत्यु उपरान्त भूखण्ड के पंजीकरण का अन्तरण पंजीकृत वसीयत के आधार पर मौहम्मद याकूब पुत्र श्री हाजी हसीमुद्दीन का नाम अन्तरित किये जाने में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो, सूचना प्रकाशन की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित सम्पत्ति प्रबन्ध कार्यालय, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, सेक्टर-16ए, तसुन्धरा, गाजियाबाद में जमा करें, अन्यथा निर्धारित तिथि के बाद किसी व्यक्ति का कोई क्लेम मान्य नहीं होगा, तथा मौहम्मद याकूब पुत्र श्री हाजी हसीमुद्दीन के पक्ष में अन्तरण सम्बन्धित कार्यवाही कर दी जायेगी।

सम्पत्ति प्रबन्धक
उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

संपादकीय

भारत को लेकर ट्रंप के झूठे दावे

आखिर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार झूठ बोलने के आदी क्यों हैं? 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भी वह पचासियों बार झूठे दावे करते रहे हैं कि उन्होंने अमुक देशों के बीच युद्धविराम करा दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने उन देशों में भी युद्धविराम के झूठ बोले, जिनके बीच या तो युद्ध ही नहीं हुआ अथवा ट्रंप की कोई भूमिका ही नहीं थी।

नोबेल पुरस्कार पाने की ऐसी छटपटाहट है कि राष्ट्रपति के पद पर होने के बावजूद ट्रंप झूठ बोलने के आदी हो गए हैं। बहरहाल ऐसे देश उनके झूठ का खुद जवाब देंगे, वह हमारा सरोकार नहीं है, लेकिन जब संदर्भ प्रधानमंत्री मोदी और भारत के राष्ट्रीय हितों का है, तो हम निरपेक्ष और खामोश नहीं रह सकते। यह अनिवार्य नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसे अनाप-शनाप बयानों का जवाब दें। वह अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल और परस्पर सम्मान की विदेश नीति से बंधे हैं, लेकिन विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन कॉल से अनभिज्ञता जाहिर की है, तो तय है कि दोनों नेताओं के बीच बीते बुधवार को कोई संवाद नहीं हुआ।

यदि संवाद नहीं हुआ, तो भारत रूसी तेल और ऊर्जा उत्पाद खरीदना बंद कर देगा, यह निष्कर्ष कैसे संभव है? कमाल है कि राष्ट्रपति ट्रंप 'व्हाइट हाउस' में पत्रकारों से रू-ब-रू बात कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने खुलासा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज (बुधवार) आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल खरीद बंद कर देगा। यह तुरंत नहीं हो सकता, थोड़ा समय लगेगा। जल्द ही यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे रूस पर यूक्रेन युद्ध रोकने का दबाव बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम बताया। गुरुवार को भारत ने यह झूठा दावा खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि दोनों नेताओं के बीच फोन पर कोई बातचीत नहीं हुई। ऐसे ही करीब 50 झूठे दावे ट्रंप ने भारत-पाक संघर्षविराम के मद्देनजर किए थे, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में एक विशेष चर्चा के दौरान, परोक्ष रूप से, खारिज कर दिया था।

भारतीय प्रधानमंत्री इस भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकते कि ट्रंप ने झूठ बोला है या ट्रंप झूठा है। भारत के प्रधानमंत्री और मंत्रियों के कुछ निश्चित कूटनीतिक संस्कार हैं। विपक्ष चाहे तो खुशफहमी में रह सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप से डरे हुए हैं। बहरहाल विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूसी तेल को भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा-जरूरतों के मद्देनजर 'राष्ट्रीय हित' की बात कही और उसे सर्वोच्च प्राथमिकता और प्रतिबद्धता करार दिया। ध्यान रहे कि अमरीकी राष्ट्रपति ने भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ, जुर्माने के तौर पर, थोपा था, क्योंकि हम रूस से तेल खरीदते हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ने यहां तक आरोपित किया था कि तेल खरीद कर भारत रूस की युद्ध लड़ने की ताकत को, परोक्ष रूप से, बढ़ा रहा है।

बहरहाल एक यूरोपीय थिंक टैंक 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) की एक रपट के मुताबिक, भारत ने सितंबर में रूस से 2.5 अरब यूरो, यानी 2.91 अरब डॉलर, का कच्चा तेल खरीदा था। दरअसल भारत ने रूसी जीवाश्म ईंधन की कुल 3.6 अरब यूरो की खरीद की थी। उसमें कच्चा तेल, कोयला और अन्य तेल उत्पाद आदि शामिल थे। भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात करीब 1.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन रहा है, जो बीते महीनों की तुलना में 9 फीसदी कम था, लेकिन इसके मायने ये नहीं हैं कि भारत रूस से तेल की खरीद कम करते हुए बिलकुल ही बंद कर देगा।

रूस भारत का भरोसेमंद दोस्त रहा है। अमरीकी राष्ट्रपति प्रधानमंत्री मोदी को 'महान इंसान, महान प्रधानमंत्री, माई डियर फ्रेंड' संबोधित करते हुए नहीं अघाते, लेकिन भारत की पीठ में छुरा घोंपने से भी बाज नहीं आते। रूस ने कभी ऐसा 'दोगला व्यवहार' नहीं किया। बेशक भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश है, लिहाजा आयातक भी है। रूसी तेल का चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खरीददार भारत ही है।

भारत-रूस की आपसी साझेदारी जारी रहेगी, यह विश्वास भारत ने एक बार फिर दिला दिया है। ट्रंप की यह कोशिश रहती है कि वे भारत पर दबाव बनाएं ताकि भारत अपने बाजारों को उसके लिए खोल दे, तमाम टैरिफ के बाद भी ट्रंप अपने इरादों में सफल नहीं हो पाए हैं, जिसकी वजह से वे इस तरह के बयान देते हैं, ताकि अतिरिक्त दबाव बनाया जा सके। ट्रंप दुनिया के ऐसे नेता है जिनके बयानों को समझना बहुत मुश्किल है।

वे अकसर इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयान देते हैं, जिनका कोई साक्ष्य उनके पास नहीं होता है। गौरतलब है कि ट्रंप कभी भी अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकते और न ही भारत पर उनका दबाव बनाने का सपना पूरा होगा। हर बार भारत अपनी कूटनीति से ट्रंप के मंसूबों को मात देता आया है।

आओ हम एक नई धनतेरस मनाएं

राकेश चौहान/लेखक, कवि एवं यूपी के सेवानिवृत जिला सूचना अधिकारी है।

सोना-चांदी को सब खरीदते हैं
आओ हम खुशियां खरीद लाये
पैसो रुपयो का मोह छोड़कर
आओ एक नई धनतेरस मनाएं!

सामान तो सब खरीदते हैं
आओ हम सम्मान खरीद लाये
मेरा-तेरा ये सब छोड़कर
आओ एक नई धनतेरस मनाएं!

महंगे कपड़े को सब खरीदते हैं
आओ हम शर्म खरीद लाये
जलन की भावना को छोड़कर
आओ एक नयी धनतेरस मनाएं!

अपनों के लिए तो सब खरीदते हैं
आओ हम अपनापन खरीद लाये
नफरत के रिश्ते को छोड़कर
आओ हम एक नई धनतेरस मनाएं!!!!

बिहार विधानसभा चुनाव में बेमेल गठजोड़ पर बवंडर

कांतिलाल मांडोत

अगर आप मानते है कि चुनाव ऐसी सरकार चुनने के लिए होते है जो अच्छा प्रशासन दे और उसका लक्ष्य राज्य के गरीब तब्बके के लोगो का जीवन शतर सुधारने में अहम भूमिका अदा करती रहे। राजनैतिक और सामाजिक गठबंधन बनाए है लेकिन उनके मेलमिलाप नही होने से बात बनती नही दिख रही है। बिहार विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही सभी पक्ष जोड़तोड़ में लग गए है।

दीपावली के बाद राजनीतिक दलों की सक्रियता बढ़ेगी। लेकिन सीट बंटवारे को लेकर राजद और कांग्रेस के बीच फर्क नजर आ रहा है। कांग्रेस और तेजस्वी की दिल्ली में सीट बंटवारे को लेकर हुई बैठक में भी कोई निष्कर्ष नही निकला है। बिहार में कांग्रेस तीस साल से पराजित होती आ रही है। कांग्रेस ने अपना जनाधार साम्प्रदायिक -जातीय गुटों के साथ गंवाने के बाद अब बिहार में राजद से गठबंधन कर तुरुप का पता निकाला है।

क्योंकि बिहार में कांग्रेस की पतली स्थिति में राजद के गठबन्धन से आशावादी अभिगम अपना रही है। विरासत में गांधी नेहरू वाला कार्ड राहुल के नाम से बिहार चुनाव में भुनाने के लिए भेजा गया है। बिहार के धूल घुसरित क्षेत्रो के गांवो में तूफानी दौरा कर अपने, पिता, दादी और परनामा के योगदान की दुहाई देकर चुनाव आयोग पर हमले कर सतारूढ़ भाजपा पर राहुल ने वोट चोरी का आरोप लगाया। इस उम्मीद से की शायद कांग्रेस की खोई हुई जमीन वापस मिल जाएगी। लेकिन यहां जूठे आरोपो का सहारा लेकर कांग्रेस और राहुल दोनो गलत साबित हो रहे है।

सबूत और एटम बम की जूठी शान के खिलाफ मतदाताओ को कांग्रेस से दूर करने का काम राहुल बिहार में कर रहे है। उनके पास कोई ठोस मुद्दे नही है। जुठ भी बोलते है, लेकिन राहुल उसमे सफल नही होते है।

उसका मजबूत कारण यह है कि राहुल की मनगढंत बाते अधिक होती है। पिछले 30 साल से बिहार में कांग्रेस के पांव बिलकुल उखड़ चुके है। मंडल और मंदिर का ऐसा श्राप लगा की कांग्रेस का जनाधार खिसकता जा रहा है। इसमें शक नही कि राहुल जहा भी गए भीड़ गांधी खानदान के चिराग को निहारने जरूर जाती है। लेकिन इसमें यह निष्कर्ष नही निकाला जाता है कि उस भीड़ से कांग्रेस का जनाधार बढ़ाने के लिए सहायक होंगे।

कांग्रेस कभी मजबूत मध्यम वर्गीय पार्टी हुआ करती थी लेकिन अब उनका जनाधार नही रह गया है। राहुल के अथक प्रयास भी इतने कारगर साबित नही हो सकते है कि देश मे सबसे पुरानी पार्टी पिछले तीस सालों से बिहार मे खिसक गई है और अब लग नही रहा है कि कांग्रेस बिहार में बेहतर प्रदर्शन कर सके। राजद और कांग्रेस का गठबंधन के जरिये मतदाताओ को खींचने की कोशिश कर रहे है।

राजद सुप्रीमो लालू, तेजस्वी और राबड़ी पर जमीन के बदले नौकरी देने के कथित भ्रष्टाचार में नाम उछलने के बाद बिहार में राजद की स्थिति नाजुक बन गई है। कांग्रेस और राजद दोनो दागदार पार्टिया रही है। उधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की साफ सुथरी छवि और बिहार में विकास की झड़ी की वजह से दोनो पार्टियो पर एनडीए गठबंधन का पलड़ा भारी है। बिहार में लालू के कथित भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते बिहार में राजद की राह आसान नही है। बिहार में सामाजिक वर्चस्व रखने वाले सवर्णों को कभी मान सम्मान नही दिया।

यादव और मुस्लिम समाज को लेकर चलने वाली तेजस्वी की पार्टी ने समाज के उत्थान के कोई कार्य किए है, ऐसा नही लगता है। लालू के जंगलराज में बिहार में चारो तरफ अराजकता फैली हुई थी। भाजपा विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है और नीतीश कुमार कोई कसर नही छोड़ना चाहते है। तेजस्वी यादव दलितों, मुस्लिमो और यादवों के वोटो की गिनती को लेकर आगे बढ़ रहे है। जैसे मायावती और मुलायम सिंह यूपी में चले थे। लेकिन उनके उत्थान की बात नागवार गुजरी है। जातीय समीकरण को देखते हुए जिस तरह से कांग्रेस

ने मुस्लिम समाज को गुमराह किया है, वैसे ही दलित और पिछड़ों को लालू ने गुमराह किया है। वोटबैंक की राजनीति में बिहार में विकास तो नही हुआ लेकिन लोगो की दिनप्रतिदिन बेरोजगारी बढ़ती गई।

बीस साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री है तो जनता सोच समझ कर ही वोट करती आ रही है। कथनी और करनी की समानता होनी ही चाहिए। जो नेता मतदाताओ के साथ दुर्व्यवहार करते है। उन्हें गुमराह करने की कोशिश करते है। उनका भरोसा जनता कभी नही करती है।

इसलिए राजनीति मंच पर जो भी कहा जाए, वह सत्य और सच्चाई के साथ कहा जाए। कांग्रेस की हालत दोगलीनीति के कारण ही रही है। हिंदुत्ववादी को कांग्रेस गालिया देती है और तुष्टिकरण की राजनीति करके भी उस समाज के विकास के लिए कांग्रेस आजादी के बाद भी कुछ नही कर पाती है तो यह तो सरासर विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह है।

गौरतलब है कि बिहार में महागठबंधन में सीटो के बंटवारे को लेकर नाटक चल रहा है। सीट शेयरिंग पर राजद और कांग्रेस की बात बनती नही दिख रही है। बिहार में उठापठक चालू है। राहुल गांधी के परनाना भले ही द डिस्कवरी ऑफ इंडिया नामक विख्यात पुश्तक के लेखक रहे हो, लेकिन राहुल अपना ही अध्याय लिखने को तत्पर है।

बिहार की खोई हुई विरासत पुनः पाने के मिशन पर निकल पड़े है। उनके किसी भी हालत में सता हासिल करनी है। बीस वर्षों के विकास कर रहे नीतीश कुमार और गठबंधन सरकार के खिलाफ विदेश में जाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था पर निशाना साधने वाले राहुल के पास भाजपा को शिकश्त देने के लिए क्या यही मुद्दे बचे है? यात्रा में लोगो से हाथ मिलाना और जातिविहीन समाज सरीखे मुद्दे उठाना यही क्रम है। लेकिन उनको पता लग पाता इससे पहले ही वे कुछ कुछ ऐसा बोल देते है, जो मुद्दा बन जाता है।

राहुल और प्रियंका नाम का ब्रांड बिहार की धूल घुसरित गलियों में अब उतारा जाएगा। गांधी परिवार के भाई बहन होने के बावजूद कांग्रेस को उम्मीदे बेहिसाब है। खानदान राहुल का बेहतरीन कार्ड है। गांधी परिवार के राहुल और बहन प्रियंका के पास बिहार को देने के लिए यही सब कुछ है। अब कांग्रेस कोई ताकत नही रही है। इनके पुरखो ने आजादी के बाद देश पर सबसे ज्यादा शासन किया है। यह एक ऐसी विरासत रही है, जिसका लोकतंत्र के इतिहास में कोई सानी नही है। लेकिन कांग्रेस अपनी ही करनी की शिकार हुई है।

राजीव गांधी ने 1989 में चुनाव अभियान की शुरुआत अयोध्या से की थी। 1980 में संजय गांधी को उत्तरप्रदेश का मुख्यमंत्री चुने गए थे तो उन्होंने यह पद ठुकरा दिया था। बिहार चुनाव तक राहुल बिहार को कर्मभूमि बनाने के लिए सोच रहे है। लेकिन अभी भी अपने भाषण के पुरखो को याद करते है। गणतंत्र को आधुनिक रूप देने वाले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू आदर्शवादी नेता रहे थे।

उसकी पुत्री प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सिंडिकेट के घाघ बूढो को मात देकर वे उनके साये से निकल आई और उन्होंने देश मे महान नेत्री के पथ का मंच तैयार किया, लेकिन सोनिया और राहुल ऐसा कुछ नही कर सके, जिसको लोग लम्बे समय तक याद रखे। वे अपने पुरखों की याद ताजी करके जीते जागते इंसानों में उम्मीद जगा रहे है। वैसा ही प्रियंका वाड्रा अपनी दादी को याद कर उनके जीवन को देश के सामने साझा कर वोट मांगने की प्रक्रिया हर चुनाव में हम देख रहे है।

बिहार में कांग्रेस और राजद के बीच सीट शेयरिंग को लेकर मन एक नही हुआ है। तेजस्वी अपनी पार्टी के रुख पर अड़े है तो राहुल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मोलभाव करने के निर्देश दिए है। अब गठबंधन की चुनावी तैयारियों की बाधा बनता दिखाई दे रहा है। बिहार में राजद और कांग्रेस के लिए सीट बंटवारे को अंतिम रूप नही दिया गया है।

चुनाव आयोग ने अधिसूचना जारी कर नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राजद ने कांग्रेस को 61 सीटे देने का प्रशताव दिया। बिहार चुनाव में सीट शेयरिंग के लिए जेडीयू में भी बगावत देखने को मिली है। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर ज्यो -ज्यो तिथि नजदीक आती जाएगी, वैसे वैसे सभी मुश्किले कम होती रहेगी। दीपावली के बाद सभा का दौर जोर पकड़ेगा। क्योंकि आगामी दिनों में चुनाव की तिथि निश्चित की गई है।

गज़ा में शांति की एक और योजना की सफलता संदिग्ध

डॉ. मलय मिश्रा

शांति बेहद नाजुक है, ट्रम्प इम्प्रिमेटर के तहत चतुराई से तैयार की गई योजना को अरब देशों द्वारा आसानी से समर्थन दिया गया जिसके पीछे उनकी अपनी कोई योजना नज़र आती है। पिछले दो वर्षों में फिलिश्तिनियों पर किए गए अत्याचारों के बाद भी फिलिश्तीनी प्रतिरोध के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखा रहा है। युद्ध के दो साल गुजरने के साथ आधुनिक युग के रक्तरंजित इतिहास में उत्तरी सीमा के दोनों किनारों पर जश्न मनाया गया क्योंकि अमेरिकी नेतृत्व वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था द्वारा फिलिश्तीन पर 'ऐतिहासिक' गज़ा शांति योजना 'थोपी' गई थी। इस योजना के पिछली योजना की तरह मिट्टी में मिलने की संभावना है।

इसमें जनवरी समझौता भी शामिल है जिसका इज़रायल ने केवल दो महीने बाद उल्लंघन किया था। सत्ता में बने रहने के लिए इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समझौते को (जिसके केवल पहले चरण के लिए अंतिम रूप दिया गया) नष्ट करने की कोशिश करेंगे क्योंकि इज़रायली सुप्रीम कोर्ट उन्हें पद से हटाने के लिए इंतजार कर रहा है।

वास्तव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले चरण की योजना पर हश्ताक्षर करते हुए कहा कि, वे इस बात की गारंटी नहीं दे सकते कि इज़रायल हमास पर फिर से हमला नहीं करेगा। इज़रायल के रक्षा मंत्री इज़राइल काट्ज़ ने इज़रायल डिफेन्स फोर्स (आईडीएफ) को शांति योजना का मामला हल होने के बाद हमास के आतंकवादियों का शिकार करने का आदेश दिया है।

शांति योजना का पहला चरण पूरा हो चुका है तथा हमास की कैद से जीवित 20 बंधकों को रिहा कर दिया गया है जबकि इज़रायल ने लगभग दो हजार फिलिश्तीनी आतंकवादियों और नागरिकों को मुक्त करने के अपने समझौते को पूरा किया है। 13 अक्टूबर को मिस्र एवं अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से मिस्र के रिसॉर्ट शहर शर्म अल-शेख में आयोजित समारोह में पश्चिमी दुनिया के साथ-साथ इस क्षेत्र के लगभग बीस विश्व नेता अमेरिकी राष्ट्रपति की सराहना करने के लिए एकत्र हुए। इस वर्ष का नोबेल शांति पुरस्कार वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को दिया गया जिन्होंने 'शांति के लिए अथक प्रयासों' के लिए ट्रम्प को यह पुरस्कार समर्पित किया। नोबेल शांति पुरस्कार के लिए मचाडो के नाम पर उंगलिया उठ रही हैं क्योंकि मचाडो ने न केवल गज़ा में नेतन्याहू के नरसंहार कार्यों का समर्थन किया बल्कि वेनेज़ुएला में लोकतंत्र वापस लाने की आड़ में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से लड़ने के लिए समर्थन भी मांगा है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि गज़ा पर प्रशासन करने के लिए अधिकृत संयुक्त राष्ट्र और कथित तौर पर वेस्ट बैंक पर शासन कर रहे फिलिश्तीन प्राधिकरण से शांति योजना पर किसी भी तरह से परामर्श नहीं किया गया। उदाहरण के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष नवी पिल्ले ने दावा किया कि फिलिश्तीन इस योजना का एक पक्ष नहीं था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग वह निकाय है जिसने इज़रायल को नरसंहार के लिए जिम्मेदार पाया था। बाद में दक्षिण अफ्रीका इस मामले को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले गया था।

हमास के निरस्त्रीकरण और गज़ा के भविष्य के शासन से निपटने वाली योजना का दूसरा चरण अधर में लटका हुआ है क्योंकि हमास योजना के बाद के चरणों के लिए सहमत नहीं हुआ है। हमास का यह कदम नेतन्याहू के नेतृत्व वाली धुर दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी के लिए उपयुक्त है क्योंकि वह आगामी सभी समस्याओं के लिए हमास की हठधर्मिता की ओर अंगुली दिखाएगा। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि गुरिल्लाओं ने सभी बाधाओं का सामना किया है और अरब ब्लॉक के भीतर अपनी छवि के अलावा बड़े पैमाने पर लोगों व हथियारों को खो दिया है। जिन लोगों के पास रहने के लिए जगह नहीं है, जिनके पास रहने के लिए घर नहीं थे, जहां 67 हजार से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई, महिलाओं और बच्चों की हत्याएं कर दी गईं, कई अपंग हो गए, बलात्कार किया गया और उन्हें भूखा मार डाला गया। अस्पतालों, स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों पर बमबारी की गई, भोजन व चिकित्सा आपूर्ति को हथियारों से उड़ा दिया गया, आखिरकार उनके पास क्या विकल्प हो सकते थे?

उपनिवेशवाद से मुक्ति के प्रणेता 'द रेच ऑफ द अर्थ' के लेखक फ्रांज़ फैनन कहते हैं- 'उपनिवेशवाद से मुक्ति वाश्तव में नवनिर्माण है लेकिन इस रचना की वैधता का श्रेय किसी भी अलौकिक शक्ति को नहीं है; जिस चीज को उपनिवेश बनाया गया है, वह उसी प्रक्रिया के दौरान मजबूत हो जाता है जिसके द्वारा वह खुद को मुक्त करता है।'

हमास ने फिलिश्तीनी लोगों के अपने लिए, अपने आत्मनिर्णय और संप्रभुता के लिए बोलने के अधिकार का आत्मसमर्पण करना उचित नहीं समझा है। गज़ा पर शासन करने की हमास की वैधता 2006 के चुनावों में मिले जनादेश से प्राप्त होती है इसलिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि अब फिलिश्तीन राज्य को मान्यता देने की मांग करने वाली पश्चिमी शक्तियां इसे एक आतंकवादी समूह के रूप में मानती हैं या नहीं।

पीएम मोदी ने 9 अक्टूबर को पीएम नेतन्याहू और राष्ट्रपति ट्रम्प दोनों को कई बार बधाइयां दीं लेकिन दिल्ली की राजनीतिक सोच में स्पष्ट रूप से गज़ा या हमास अनुपस्थित रहा है। यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि भारत ने अब तक हमास को आतंकवादी समूह घोषित नहीं किया है। फिर, सार्वजनिक स्थान पर गज़ा का उल्लेख या नागरिक समाज की बातचीत में खतरे की घंटी क्यों बजती है? यह ध्यान देने वाली बात है कि 1974 में पीएलओ को मान्यता देने वाले पहले गैर-अरब देशों में से भारत एक था। उसने 1998 में फिलिश्तीन को एक सम्प्रभु देश के रूप में मान्यता दी थी और 1946 में संयुक्त राष्ट्र में आत्मनिर्णय और रंग-भेद के उन्मूलन के मुद्दे को उठाने के लिए गुटनिरपेक्ष समूह कानेता रहा था।

नवंबर, 1938 में 'हरिजन' में गांधीजी ने लिखा था, 'यहुदियों के प्रति मेरी सहानुभूति मुझे न्याय की आवश्यकताओं के प्रति अंधा नहीं करती है। यहूदियों को अरबों पर थोपना गलत और अमानवीय है।' भारत ने 1947 की संयुक्त राष्ट्र विभाजन योजना के आधार पर तैयार संयुक्त राष्ट्र के प्रशताव 181 का विरोध किया था। इज़रायल के नरसंहार कार्यों की आलोचना करने और गज़ा में तत्काल युद्धविराम के प्रशताव को वीटो करने वाले कई प्रश्तावों के संदर्भ में 153 सदस्य देशों के साथ संयुक्त राष्ट्र के पटल पर 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' के समर्थन में इसकी तुलना भारत के मतदान के वर्तमान पैटर्न से करें तो यह दिल्ली के लिए एक असुविधाजनक प्रशताव रहा है। जब 'फिलिश्तीन' सार्वजनिक चर्चा में निषिद्ध हो गया है तो यह स्थिति इतिहास और फिलिश्तीनी मुद्दे के लिए भारत के समर्थन की लंबी परंपरा को नकारने के समान है।

ट्रम्प शांति योजना, हमास के लिए आत्मसमर्पण का एक चतुराई से हेर-फेर की गई योजना है जो फिलिश्तीनी स्वायत्तता के लिए अभी या भविष्य में किसी भी प्रकार की और न ही संघर्ष के बाद के पुनर्निर्माण में इसकी भागीदारी के लिए कोई गुंजाइश छोड़ता है।

योजना की अस्पष्टता के लिए इसकी आलोचना की गई है और यह वैश्विक नियम-आधारित गिरोह द्वारा वैश्विक पूंजीवाद की मिलीभगत के साथ दूर-दराज़ ईवैन्जलिज़्म और ज़ायोनी समर्थन (ज़ायोनीवाद एक राष्ट्रवादी आंदोलन है जो यहूदियों के लिए उनकी ऐतिहासिक मातृभूमि, इज़रायल में एक यहूदी राज्य की स्थापना और उसके अशितत्व का समर्थन करता है) के वैचारिक पोषण के साथ ऊपर से नीचे थोपना है।

इस प्रकार शांति शिखर सम्मेलन और गज़ा की निकटवर्ती परिधि से आईडीएफ की वापसी के तुरंत बाद इजरायली जेल से रिहा किए गए आतंकवादियों ने सार्वजनिक रूप से कई तथाकथित काफिरों का कत्लेआम कर दिया है। इन घटनाओं के बाद खाद्य सहायता रोक दिए जाने के कारण गज़ा इलाके में फिर से अराजकता का माहौल है।

शांति बेहद नाजुक है, ट्रम्प इम्प्रिमेटर के तहत चतुराई से तैयार की गई योजना को अरब देशों द्वारा आसानी से समर्थन दिया गया जिसके पीछे उनकी अपनी कोई योजना नज़र आती है। पिछले दो वर्षों में फिलिश्तिनियों पर किए गए अत्याचारों के बाद भी फिलिश्तीनी प्रतिरोध के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखा रहा है। इजरायल पर 7 अक्टूबर, 2023 को किए गए हमास के हमले के अन्यायपूर्ण प्रतिशोध के रूप में अत्याचार हुए हैं। वैश्विक व्यवस्था को यह समझने की जरूरत है कि थोपी गई शांति कभी भी मातृभूमि की न्यायसंगत मांगों की बढ़ती चुनौती का सामना नहीं कर सकती है।

(लेखक सेवानिवृत्त राजनयिक और राजनीतिक विश्लेषक हैं)

दीपावली : परंपरा से बाजारवाद तक का सफर

सिकंदर बंसल

भारत में दीपावली केवल एक पर्व नही, बल्कि आस्था, संस्कृति और उत्सव का ऐसा संगम है जो सदियों से लोगों को एक सूत्र में पिरोता आया है। इस पर्व की मूल भावना में प्रकाश से अंधकार का अंत, अच्छाई की बुराई पर विजय और नए उत्साह के साथ जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत निहित है। लेकिन समय के साथ इस पारंपरिक उत्सव के मायने भी बदलने लगे हैं। आज दीपावली सिर्फ पूजा, दीप और परिवार का त्योहार नहीं रही, बल्कि बड़े पैमाने पर उपभोक्तावादी बाजार का प्रतीक बन गई है।

बदलते दौर में दीपावली एक 'फेस्टिव सीजन' के रूप में देखी जाने लगी है, जहां धार्मिक भावनाओं से ज्यादा चर्चा खरीददारी, सजावट और विदेशी ब्रांड्स की होती है। दीपावली का शुभारंभ धनतेरस से होता है, जिसे समृद्धि और स्वास्थ्य का प्रतीक माना जाता है। भारतीय परंपरा में इस दिन भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्त्व है।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि समुद्र मंथन के समय धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए इस दिन कलश, बरतन, सोना-चांदी या कोई नई वश्तु खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसा विश्वास है कि इस दिन की गई खरीददारी से घर में लक्ष्मी का आगमन होता है और सुख-समृद्धि बनी रहती है।

पुराने समय में लोग अपनी क्षमता के अनुसार मिट्टी के दीये, पीतल के बरतन या छोटी-छोटी उपयोगी वश्तुएं खरीदकर पारिवारिक परंपरा निभाते थे। धनतेरस का अर्थ केवल वश्तुएं खरीदना नहीं, बल्कि नए आरंभ का प्रतीक था, जीवन में नई ऊर्जा, समृद्धि और आशा के स्वागत का दिन। लेकिन अब यह पारंपरिक स्वरूप भी बाजारवाद की चकाचौंध में ढल गया है। धनतेरस पर आज सोने-चांदी से लेकर महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, गाड़ियों और प्रॉपर्टी तक की खरीददारी की जाती है। शॉपिंग मॉल्स, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और बड़ी-बड़ी कंपनियां इस मौके को 'गोल्डन सेल' में बदल देती हैं।

2024 के आंकड़ों के अनुसार, केवल धनतेरस के दिन भारत में 30,000 करोड़ रुपए से अधिक की खरीददारी हुई। यह परंपरा के आधुनिक और व्यावसायिक रूप का स्पष्ट संकेत है। पिछले कुछ दशकों में दीपावली के स्वरूप में जो परिवर्तन आया है, वह हमारे समाज की बदलती जीवनशैली को भी दर्शाता है। एक समय था जब दीपावली की तैयारी हफ्तों पहले शुरू होती थी, घर की सफाई, दीयों को तैयार करना, रंगोली बनाना, अपने हाथों से मिठाइयां बनाना और पड़ोसियों से बांटना इस उत्सव का स्वाभाविक हिस्सा हुआ करता था। गांवों और कस्बों में सामूहिक उत्सव का माहौल होता था। आज वही दीपावली बड़े शहरों में ब्रांडेड सजावट, चमकदार लाइटों और मिठाइयों के रेडीमेड पैकेटों में सिमटती जा रही है। लोग पहले जहां अपने हाथों से घर सजाते थे, अब डेकोरेशन एजेंसियों को बुलाकर काम करवाते हैं। दीयों की जगह रंग-बिरंगी चाइनीज लाइटों ने ले ली है।

देशी मिट्टी के दीयों की जगह सश्ते विदेशी लाइटिंग प्रोडक्ट्स बाजार में छा गए हैं। इससे न केवल पारंपरिक कारीगरों की आजीविका पर असर पड़ा है, बल्कि सांस्कृतिक पहचान भी धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है। एक अनुमान के अनुसार, दीपावली के दौरान भारत में 6,000 करोड़ रुपए से अधिक का चीनी सजावटी सामान बिकता है।

इसी तरह मिठाइयों के स्थान पर ब्रांडेड चॉकलेट और गिफ्ट बॉक्स का चलन तेजी से बढ़ा है। बाजार में दीपावली अब 'कंज्यूमर फेस्टिवल' की तरह प्रश्तुत की जाती है। जहां एक ओर इस त्योहार की आर्थिक ताकत से व्यापार और उद्योग को गति मिलती है, वहीं दूसरी ओर पारंपरिक मूल्यों पर इसका असर भी नजर आता है। पहले दीपावली का अर्थ रिश्तों में मिठास और सामाजिक जुड़ाव होता था। लोग एक-दूसरे के घर जाकर शुभकामनाएं देते थे, मिठाइयां और प्रेम बांटते थे। अब वही शुभकामनाएं मोबाइल संदेशों और सोशल मीडिया पोस्टों में सिमट गई हैं। रिश्तों में वह आत्मीयता और व्यक्तिगत स्पर्श धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। धनतेरस और दीपावली अब छोटे व्यापारियों के लिए चुनौती भी बनते जा रहे हैं। विदेशी और बड़े ब्रांडों के दबदबे में स्थानीय मिट्टी के दीये बेचने वाले कुम्हार और घरेलू उत्पाद तैयार करने वाले कारीगर बाजार में पिछड़ जाते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉम्र्स की छूट और चमकदार पैकेजिंग पारंपरिक बाजार को पीछे छोड़ देती है।

इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचता है, जबकि विदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिलता है। यह भी सच है कि समय के साथ परिवर्तन स्वाभाविक होता है। आधुनिक तकनीक और बदलती जीवनशैली ने दीपावली को अधिक भव्य बना दिया है। बिजली की रंगीन लाइटों ने घरों को और अधिक जगमग कर दिया है, ऑनलाइन प्लेटफॉम्र्स ने खरीददारी को आसान बना दिया है और दूर दराज बैठे रिश्तेदारों से वर्चुअल जुड़ाव ने भौगोलिक दूरी को घटाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या इस बदलाव में हम अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं। दीपावली की रोशनी तभी पूर्ण होगी जब उसमें परंपरा और आधुनिकता का संतुलन हो। विदेशी सजावटी सामानों के बजाय देशी दीयों और उत्पादों को प्राथमिकता दी जाए तो यह न केवल संस्कृति को संजोए रखने का कार्य होगा, बल्कि लाखों कारीगरों की आजीविका को भी सहारा मिलेगा।

धनतेरस पर महंगी वश्तुएं खरीदने की होड़ लगाने के बजाय परंपरा का सम्मान करते हुए सादगी से उत्सव मनाया जा सकता है। अंततः दीपावली केवल बाजार नहीं, एक भावना है। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा हो, एक छोटा सा दीपक भी उसे मिटा सकता है।

इसलिए जरूरी है कि हम आधुनिकता को अपनाते हुए भी अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखें। इस पर्व को केवल खरीददारी और दिखावे का उत्सव न बनने दें, बल्कि इसे रिश्तों, परंपरा और मानवीय संवेदनाओं से जोड़ें। तभी दीपावली वाश्तव में अपने उद्देश्य को पूरा कर पाएगी, अंधकार पर प्रकाश की विजय।

(लेखक शिक्षाविद है)

बिन रीढ़ के लोग और एमएलए का टिकट

बिहार में परदेशी नेता महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कहते हैं कि बिहार का विकास रूकने नहीं देंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बुलेट ट्रेन की तरह बिहार का विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री का जो रेल है न, उसने विकास की कैसी रफ्तार पकड़ी है, इसका उदाहरण बताता हूं। 4 अक्टूबर को मेरा आई फोन एक पाकेटमार ने भागलपुर स्टेशन पर ट्रेन चढ़ते वक्त चुरा ली। ट्रेन चल चुकी थी और मधुपुर जाना जरूरी था। मैं जब मधुपुर स्टेशन पहुंचा तो वहां के रेल थाना में प्राथमिकी दर्ज करवा दी।

रेल थाना ने प्राथमिकी की एक प्रति दी। उस प्रति को जब भागलपुर रेल थानाध्यक्ष को दिखाया गया तो उसने कहा कि जब आनलाइन मेरे पास यह आयेगी तो मैं कार्रवाई शुरू करूंगा। आज चौदह दिन बीत गए हैं। वह प्राथमिकी आनलाइन नहीं हुई। जब मैंने वहां के एक दोश्त को थाने पर भेजा तो बताया कि फलां बाबू करते हैं। वे बाबू खुद से नहीं करते। उनसे करवाना पड़ता है। करवाने का मतलब तो समझ ही रहे होंगे। विकास का यह रफ्तार है और बिहार के विकास के बारे में मत पूछिए। टका के बिना किसी दफ्तर का काम करा लीजिए तो समझिए कि गंगा स्नान हो गया और सीधे स्वर्ग का टिकट मिल गया। टिकट से याद आया। बिहार हर पार्टी टिकट ही बांट रहा है और टिकटार्थी पार्टी-वाटी नहीं देख रहा। जहां से मिल जाय, वहां उन्होंने लाइन लगा दी। न विचार का ख्याल, न स्वाभिमान का ख्याल। बंद से बदतर स्थिति है। इस हिसाब से देखें तो बिहार का विकास द्रूतगामी है। ह्यूमन वैल्यू की गिरावट अभूतपूर्व है। बिहार में हर कुछ का रिकॉर्ड टूटता है।

टिकट बंटवारे का भी रिकॉर्ड टूटा। सीट बंटी नहीं, सिंबल बंटने लगा। बाद में सीट का बंटवारा हुआ। उम्मीदवार सिंबल लिए घूम रहे हैं। उन्हें समझ में नहीं आ रहा कि वे फर्जी उम्मीदवार हैं कि सही उम्मीदवार। नेता आखिर में कह दिया-फ्रैंडली लड़ो। यह कैसी लड़ाई है? दूसरे दलों से दुश्मनों वाली लड़ाई लड़ो और अपने वालों से फ्रैंडली। बड़े बड़े नेता चुनाव में एक दूसरे की कब्र खोदते हैं तो उम्मीदवारों से सतयुग की उम्मीद करें। खैर। नेताओं ने सारे रिकॉर्ड तोड़ देने की कसम खा रखी है। अशोक चौधरी जदयू के मंत्री हैं, बेटी चिराग़ पासवान की पार्टी के सांसद हैं और दामाद बीजेपी का कोटा संभाले हैं। देखा देखी यह लत फैलती-सिकुड़ती रही। किसी का बेटा बीजेपी में है, बाप जदयू में। बेटी को राजद का टिकट चाहिए।

विचार बेचारा क्या करें? रात को धर्मनिरपेक्ष है, दिन को धार्मिक है। एक कोई हैं अपर्णा कुमारी। मैं टहलने जाता था तो पोस्टरों में उसकी तस्वीर देखता था। वे नीतीश कुमार का झाल बजाती थी। कल सुना था कि बिहपुर विधानसभा से राजद के टिकट के लिए लाइन में लगी थी। आज अखबार में देख रहा हूं कि मुकेश सहनी की पार्टी से उसे टिकट मिल गया है। जो लाइन लगाते लगाते थक गए, उन्होंने निर्दलीय की पतवार थाम ली है। सभी को एम एल ए बनना है। कुछ लोगों का पेशा गाने बजाने और फिल्मों में नाचने में अच्छा खासा चल रहा था, वे भी एम एल ए बनने आ गये। मुझे बांसुरी बजाने नहीं आती, मुझे बजाने कहिएगा तो बांसुरी कैसी बजेगी? रवि किशन, हेमा मालिनी, मनोज तिवारी आदि राजनीति में क्या कर रहे हैं? सिर्फ हाथ उठाने के। दरअसल इनके लिए सांसद या एम एल ए की कुर्सी शोभा की वश्तु है। रूपया पैसा हो गया, थोड़ी शोहरत भी चाहिए। सांसद या एम एल ए का तमगा लगा कर समाज में घूमने का जो मजा है, उसका लुत्फ उठा रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली हाईकोर्ट ने सीआरपीएफ कर्मी की बर्खास्तगी रद्द की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक कर्मी की बर्खास्तगी को बहाल करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि बर्खास्तगी से कर्मी का परिवार अस्त-व्यस्त हो जाता है और उसके आजीविका का स्रोत छप हो जाता है। न्यायमूर्ति सी हरिशंकर और ओम प्रकाश शुक्ला की पीठ ने कहा कि बर्खास्तगी कोई नियमित कदम नहीं है। एक सीआरपीएफ कर्मचारी की बर्खास्तगी को रद्द करते हुए पीठ ने उसे तत्काल बहाल करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि सेवा से बर्खास्तगी एक अतिवादी कदम है। सीआरपीएफ कर्मी को अधिकारियों ने तीन आरोपों के आधार पर सेवा से बर्खास्त कर दिया था। इसमें अपनी पहली शादी के रहते दूसरी महिला से शादी करना, नियोक्ता को पूर्व सूचना दिए बिना शादी करना और औपचारिक रूप से गोद लेने से पहले ही अपनी दूसरी पत्नी की बेटी की देखभाल के लिए चाइल्ड केयर भत्ता प्राप्त करना। हालांकि, पीठ ने कहा कि तथ्यों पर आधारित यह दावा बर्खास्तगी आदेश में दर्ज किया गया है और इसे गलत नहीं माना गया है। अनुशासनात्मक प्राधिकारी ने इस दावे की सत्यता या प्रमाण पर संदेह नहीं किया है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता का दूसरी पत्नी के साथ विवाह एक सद्भावनापूर्ण विवाह था क्योंकि पहली पत्नी के साथ उसका पिछला विवाह कम से कम याचिकाकर्ता की धारणा में ग्राम पंचायत की उपस्थिति में स्टाम्प पेपर के माध्यम से भंग हो गया था। ऐसी परिस्थितियों में याचिकाकर्ता को सेवा से बर्खास्त करना अदालत की राय में अनुचित होगा। पीठ ने कहा कि लड़की वास्तव में याचिकाकर्ता की दूसरी पत्नी की बेटी थी, ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि उस व्यक्ति ने अवैध रूप से बाल देखभाल भत्ता प्राप्त किया, भले ही उसने लड़की को औपचारिक रूप से बाद में गोद लिया हो। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता सेवा में सभी लाभों का हकदार होगा और सेना ने देने की अवधि के दौरान वह किसी भी बकाया वेतन का हकदार नहीं होगा।

संसद भवन के पास सांसदों के फ्लैट्स में भीषण आग, दमकल की छह गाड़ियों ने आधे घंटे में पाया काबू

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के वीआईपी इलाके में बुधवार दोपहर बड़ा हादसा टल गया। डॉ. बिशंबर दास मार्ग स्थित ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट्स में आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह अपार्टमेंट संसद भवन से महज 200 मीटर की दूरी पर है और यहां कई राज्यसभा सांसदों के फ्लैट हैं। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। दमकल विभाग के अनुसार, आग लगने की सूचना दोपहर करीब 1:20 बजे प्राप्त हुई। तत्काल छह दमकल गाड़ियां मौके पर रवाना की गई। आग ग्राउंड फ्लोर पर रखे कबाड़ से शुरू होकर कुछ ही मिनटों में पहले और दूसरे फ्लोर तक फैल गई। लपटें और घना धुआं उठने से अपार्टमेंट परिसर में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। दमकल कर्मियों ने करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर 2:05 बजे आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया।

ग्राउंड फ्लोर पर रखा कबाड़ बना आग की वजह

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ग्राउंड फ्लोर पर लंबे समय से सीपीडब्ल्यूडी का पुराना फर्नीचर और कबाड़ पड़ा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों द्वारा पटाखे जलाए जाने से आग भड़कने की आशंका है। आग की वजह से तीन मंजिलों के कई फ्लैटों को नुकसान पहुंचा और इमारत की बाहरी दीवारें पूरी तरह काली हो गईं। घटना के बाद आसपास के क्षेत्रों में भारी भीड़ लग गई और सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें बन गईं। हालांकि, समय रहते लोगों को बाहर निकाल लिया गया, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। दमकल अधिकारियों ने बताया कि आग की तीव्रता अधिक थी, लेकिन तत्परता से कार्रवाई कर स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। फायर विभाग ने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में लापरवाही और कबाड़ के ढेर को संभावित कारण बताया जा रहा है। इस घटना ने एक बार फिर संसद भवन के नजदीकी वीआईपी इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था और रख-रखाव की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बेटे की मौत के बाद पिता ने संभाला मिलावटी मिठाई का धंधा, 2600 किलो मिठाई और 16 कर्मचारियों संग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपावली पर मिलावटी मिठाइयों का धंधा धड़ल्ले से चल रहा है। क्राइम ब्रांच ने रघुबीर नगर में एक मिलावटी मिठाई बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। इसे बेटे की मौत के बाद पिता चला रहा था। पुलिस टीम ने यहां से फैक्ट्री मालिक ताराचंद अग्रवाल समेत 16 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। फैक्ट्री से 2600 किलोग्राम से अधिक मिलावटी मिठाई और प्रतिबंधित रसायन भी बरामद किया गया है। पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम के अनुसार बीती 16 अक्टूबर को सब इंस्पेक्टर अनुराग त्यागी को रघुबीर नगर स्थित एक फैक्ट्री के बारे में सूचना मिली, जहां हानिकारक रसायनों और अस्वास्थ्यकर पदार्थों का उपयोग करके बड़ी मात्रा में मिल्क केक और कलाकंद जैसी मिलावटी मिठाइयां तैयार की जा रही थीं। इस सूचना पर एसीपी गिरीश कौशिक की देखरेख और इंस्पेक्टर विनय कुमार के नेतृत्व में एफएसएसएआई के अधिकारियों के साथ एक टीम बनाई गई। टीम ने फैक्ट्री में छापा मारकर 2,600 किलोग्राम से अधिक मिलावटी मिठाइयां और प्रतिबंधित रसायन को बरामद किया। आरोपित त्योहारों के सीजन में ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए इस रैकेट को चला रहे थे। पुलिस पूछताछ में इस फैक्ट्री के मालिक तारा चंद ने बताया कि उसका बेटा कई साल से मिलावटी मिठाई का कारोबार कर रहा था, लेकिन दो साल पहले उसके बेटे की मौत हो गई थी। इसके बाद उसने खुद यह धंधा संभाल रखा था। दीपावली के दौरान मिठाइयों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में मिलावटी मिठाइयां तैयार की जाती हैं। फिर इन मिठाइयों को विभिन्न दुकानों पर 200 से 250 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेचा जाता है। बरामद मिलावटी मिठाई को भी बेचा जाना था।

इन मिठाइयों के सेवन से हो सकते हैं गंभीर स्वास्थ्य परिणाम

अखाद्य और अस्वास्थ्यकर पदार्थों से बनी मिठाइयों को बड़े पैमाने पर तैयार करने के लिए अवैध रूप से इस्तेमाल किया जा रहा था। जांच में पता चला कि उपरोक्त मिठाइयों को तैयार करने में सोडियम फार्मेल्डिहाइड सल्फाक्सिलेट नामक रसायन का इस्तेमाल किया जा रहा था। इस रसायन का उपयोग खाद्य उत्पादों में नहीं किया जाता है और इसके सेवन से गंभीर स्वास्थ्य परिणाम जैसे फार्मेल्डिहाइड के कारण कैंसर, जठरांत्र संबंधी विषाक्तता, एलर्जी, श्वसन संबंधी समस्याएं आदि हो सकते हैं।

दिल्ली में भाजपा कार्यालय में दीपावली उत्सव का आयोजन, मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में शनिवार को दिल्ली के भाजपा प्रदेश कार्यालय में दीपावली उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर सभी दिल्लीवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दीपोत्सव दिल्लीवासियों के जीवन में विश्वास, संतोष और दिव्यता का अमिट प्रकाश फैलाए।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज भाजपा के वरिष्ठजनों और कार्यकर्ता साथियों के साथ दिल्ली भाजपा कार्यालय में दीपावली उत्सव में शामिल हुई। यह दीपावली दिल्ली के लिए विशेष है। पिछले सात माह में दिल्ली सरकार ने जनता के हित में जिस समर्पण और प्रतिबद्धता से कार्य किया है, उसका परिणाम आज हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है।

उन्होंने बताया कि इस बार दिल्ली में पहली बार कर्तव्य पथ पर भव्य और दिव्य दीपोत्सव का आयोजन हो रहा है, जिसमें एक लाख 51 हजार दीपों की श्रृंखला, ड्रोन शो, रामकथा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दिल्लीवासियों को दीपावली के रंग में सराबोर करेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दीपावली पर दिल्ली को कई उपहार मिले हैं, जिनमें व्यापारियों के लिए 'इज ऑफ डोइंग बिजनेस' की सुगमता, जीएसटी रिफंड से राहत, ग्रीन पटाखों की अनुमति और दिल्ली को 'करेटिव कैपिटल÷ बनाने का संकल्प शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हर पीढ़ी की खुशहाली, आत्मनिर्भरता और आत्मगौरव का उत्सव है, जो विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित है, जिनके परिश्रम और संवेदना से समाज की नींव मजबूत होती है।

इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह दीपावली दिल्ली के लिए नई आशा और विश्वास का प्रतीक है। भाजपा सरकार ने दिल्ली को विकास के पथ पर अग्रसर किया है। कर्तव्य पथ पर आयोजित दीपोत्सव न केवल दिल्ली की सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि पर्यावरण और परंपरा के बीच संतुलन बनाए रख सकते हैं। उन्होंने ग्रीन पटाखों की अनुमति और व्यापारियों के लिए किए गए सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि यह दिल्ली के लिए एक स्वर्णिम युग की शुरुआत है।

उच्चतम न्यायालय के दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की अनुमति दिए जाने पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दीपावली हमारी संस्कृति से जुड़ा एक अभिन्न अंग है और प्रभु श्री राम से जुड़ा ये त्योहार हम सभी के जीवन में खुशियां व उमंग लेकर आता है। दिल्ली की पिछली सरकारों ने सनातन से जुड़े त्योहारों को बाधित करने का काम किया है। अब दिल्ली में भाजपा की सरकार है और मुख्यमंत्री उन सभी पुरानी परंपराओं को जीवित कर उसे उल्लास के साथ मनाने का भी प्रयास कर रही हैं। दिल्ली सरकार ने पक्ष अच्छा रखा तो सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनुमति दी। हर धर्म को अपना त्योहार खुशियों से मनाना चाहिए।

इस अवसर पर दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री आशीष सूद, मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, अलका गुर्जर, राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला, उपमहापौर जय भगवान यादव, कैलाश गहलोत, विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट के साथ दिल्ली सरकार के मंत्री और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहें।

दिल्ली में ग्रीन पटाखों की बिक्री शुरू, समिति रखेगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में शनिवार से ग्रीन पटाखों की बिक्री शुरू हो गई। पहले ही दिन भारी संख्या में लोगों ने पटाखों की दुकान पर जाकर खरीदारी की। कई स्थानों पर दुकानों के बाहर लंबी कतारें लगी हुई दिखीं। पटाखों की बिक्री पर निगरानी रखने के लिए दिल्ली में कई स्थानों पर निगरानी गश्त कमेटी बनाई गई है। इसमें क्षेत्र के एसडीएम, थानाध्यक्ष, तहसीलदार, दमकल अधिकारी और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के सदस्य होंगे। यह समिति गश्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करवाएगी और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय की ओर से 18 से 20 अक्तूबर तक दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की बिक्री के लिए अनुमति दी गई है।

वहीं, 20 अक्तूबर की सुबह एक घंटे और रात को दो घंटे पटाखे चलाने की शर्त सर्वोच्च न्यायालय ने रखी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर क्षेत्र के डीएम की ओर से कुछ दुकानदारों को ग्रीन पटाखे बेचने के लिए लाइसेंस जारी किए गए हैं। इसके साथ ही उन्हें सख्त निर्देश दिए गए हैं कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय किए गए नियमों का पालन करें। लाइसेंस पाने वाले अधिकांश दुकानदारों ने शनिवार को ग्रीन पटाखों की बिक्री शुरू की। दुकानों के बाहर भारी भीड़ ग्रीन पटाखों की खरीदारी करने के लिए बड़ी संख्या में लोग दुकानों पर पहुंचे। दिनभर इन दुकानों के बाहर ग्राहकों की भारी भीड़ दिखाई दी। कई लोग पटाखों के दामों को लेकर मोलतोल करते भी दिखे। एक दुकान पर पटाखे खरीदने पहुंचे सचिन शर्मा ने कहा कि पटाखों के दाम काफी अधिक हैं। अनार, फुलझड़ी और चकरी, सभी के दाम आसमान छू रहे हैं। लेकिन, यही काफी है कि ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति मिल गई है। उन्होंने कहा कि घर परिवार में बच्चे पटाखों को लेकर ज्यादा जिद करते हैं। अब उनकी इच्छा पूरी हो जाएगी। गड़बड़ी मिली तो जब्त होगा सामान सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करवाने के लिए गठित निगरानी गश्त कमेटी के सदस्य यह देखेंगे कि दुकानों पर नीरी से स्वीकृत ग्रीन पटाखें ही बेचे जाएं। वह किसी भी ग्रीन पटाखें का नमूना उठाकर उसे जांच के लिए भेजेंगे। जांच के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर समिति सदस्य दुकानदार का लाइसेंस रद्द करने के अलावा उनका माल जप्त कर सकेंगे। प्रतिदिन की जांच रिपोर्ट वह शाम तक वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष पेश करेंगे। इन प्रमुख स्थानों पर बेचे जा रहे - जी-ब्लॉक, मेन रोड, सीलमपुर - मेन रोड मार्केट, मौजपुर - गामरी रोड, गढ़ी मेंडू, भजनपुरा - गली संख्या एक, हनुमान मंदिर, रेलवे फाटक, अशोक नगर - गली संख्या चार, अशोक नगर, शाहदरा - गोकलपुरी - गली संख्या 5, गंगा विहार - गली संख्या 12, सी-ब्लॉक, राजीव नगर, मंडोली - खजूरी खास, 30 फुटा रोड, मेन वजीराबाद रोड - नेहरू विहार, करावल नगर - मेन रोड मार्केट, बृजपुरी - गली संख्या तीन, चौहान पट्टी, सोनिया विहार - तीसरा पुस्ता, सोनिया विहार - गली संख्या 6, साढ़े तीन पुस्ता, सोनिया विहार - डीडीए फ्लैट मार्केट, नंद नगरी (इसके अतिरिक्त अन्य इलाकों में भी लाइसेंसधारी दुकानदारों की ओर से ग्रीन पटाखों की बिक्री की जा रही है।)

जनता से नकारे जाने के बाद भी केजरीवाल झूठी बयानबाज़ी कर रहे हैं : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि केजरीवाल सत्ता में रहते हुए भी झूठ और भ्रम की राजनीति करते थे, और अब जनता द्वारा नकारे जाने के बाद भी वही राजनीति जारी रखे हुए हैं। श्री सचदेवा ने कहा कि यह दुखद और शर्मनाक है कि केजरीवाल राजनीतिक आत्ममंथन करने के बजाय झूठे दावों और भ्रामक बयानों से जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब दिल्लीवासी भलीभांति जानते हैं कि केजरीवाल सरकार ने शिक्षा के नाम पर कक्षा-कक्ष निर्माण घोटाला, और स्वास्थ्य क्षेत्र में मोहल्ला क्लिनिक व अस्पताल निर्माण में भारी भ्रष्टाचार किया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की जल व्यवस्था भी उनकी नाकामी का प्रतीक रही, जहां गर्मी ही नहीं, सर्दियों में भी आधी दिल्ली टैंकरों के सहारे पानी पीने को मजबूर रही। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जनता अब केजरीवाल की झूठी राजनीति से पूरी तरह परिचित हो चुकी है और दिल्ली में पारदर्शी, जवाबदेह शासन की मांग लगातार बढ़ रही है।

छह माह में भाजपा ने दिल्ली को किया बर्बाद : केजरीवाल

-आप मुख्यालय पर दिवाली मिलन समारोह में बोले पूर्व सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि भाजपा सरकार ने मात्र छह महीने में दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में सड़कें जर्जर हो गई हैं। जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं। अस्पतालों में दवाइयां तक नहीं मिल रही हैं। पार्टी मुख्यालय पर आयोजित दिवाली मिलन समारोह में केजरीवाल ने कहा कि हमने दस साल में बड़ी मेहनत से दिल्ली को संवारा था लेकिन भाजपा सरकार ने आते ही सब चौपट कर दिया। अब दिल्लीवाले हजारों रुपये के बिजली और पानी के बिल भर रहे हैं जबकि कई जगहों पर पानी आना ही बंद हो गया है। वसंत विहार जैसे इलाकों में पानी की कमी से मॉल बंद होने की नौबत आ गई है। भाजपा के शासन में साफ-सफाई की हालत इतनी खराब है कि राजधानी के कई हिस्सों में कूड़ा उठना ही बंद हो गया है। लोग अब खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं : रविंद्र इंद्राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज ने बिंदापुर स्थित ओल्ड एज होम पहुंचकर वहां रह रहे बुजुर्गों के साथ दीपावली मनाई और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने वृद्धजनों के साथ दीये जलाए और उन्हें मिठाई खिलाकर उत्सव की खुशियां साझा कीं।

रविंद्र इंद्राज ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका स्नेह, अनुभव और आशीर्वाद हमारे जीवन को दिशा देता है। दीपावली की सच्ची रोशनी तभी है जब हमारे आसपास कोई भी बुजुर्ग अकेला या उदास न हो। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की कि इस दीपावली पर अपने आस-पास रहने वाले किसी बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज के हर सदस्य का यह दायित्व है कि बुजुर्गों के प्रति सम्मान और अपनापन हमेशा बना रहे।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार, समाज कल्याण विभाग के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सुरक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है। ओल्ड एज होम्स की सुविधाओं को और बेहतर बनाने तथा बुजुर्गों के लिए सामुदायिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए नई योजनाओं पर भी लगातार काम कर रही है। वरिष्ठ नागरिकों की मानसिक सेहत के लिए नये रिक्रिएशन सेंटर की योजना है और ओल्ड एज होम में काउंसिलिंग पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि हाल ही में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सेवा पखवाड़े के दौरान दिल्ली में वरिष्ठ नागरिकों के लिए 50 हजार नई पेंशन वैकेंसी निकाली गई हैं। इसके साथ ही पश्चिम विहार में सावित्री बाई फुले ओल्ड एज होम का लोकार्पण भी किया गया है। वरिष्ठ नागरिकों को लगभग आठ लाख रुपये के उच्च गुणवत्ता वाले निःशुल्क उपकरण भी प्रदान किए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार की हर योजना का लाभ प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों तक पहुंचने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। इस दिशा में सभी पात्र वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन का लाभ मिलेगा। उन्हें सहायक उपकरण के रूप में व्हीलचेयर, वॉकर, व्हील बेयर और व्हील बेयर कमोड, कान की मशीन, चश्मा, सिलिकॉन फोम तकिया, स्पाइनल सपोर्ट बेल्ट, नी प्रेस, सर्वाइकल कॉलर और अन्य स्वास्थ्य सहायक किट दिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी में बुजुर्गों की अच्छी मानसिक सेहत के लिए रिक्रिएशन सेंटर के विकास पर भी 20 करोड़ रूपये खर्च होंगे।

प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद स्वदेशी आंदोलन की मिली नई धार : मनोज गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्थानीय उत्पादों के उपयोग के आह्वान के बाद देश में स्वदेशी आंदोलन को एक नई शक्ति और दिशा मिली है। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक मनोज गुप्ता ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जो लोग कभी स्वदेशी को 'देश को बैलगाड़ी युग में ले जाने' की विचारधारा बताते थे, वही लोग आज बढ़-चढ़कर इसका प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेश के बाद देश की जनता में स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग के प्रति जबरदस्त जागरूकता बढ़ी है।

दीपावली पर स्वदेशी का प्रभाव

मनोज गुप्ता ने कहा कि ऐसी आशंका थी कि अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने से भारतीय बाज़ार में मंदी देखने को मिलेगी, लेकिन जिस तरह से आम भारतीयों ने स्वदेशी को अपनाया है, उससे दीपावली के त्यौहार की रोशनी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि आम आदमी देश के स्थानीय व्यापारियों के साथ मज़बूती से खड़ा हो गया है।

स्वदेशी जागरण मंच ने इस समर्थन को ज़मीन पर उतारने के लिए दिल्ली भर में दीपावली के अवसर पर मेले लगाकर छोटे व्यापारियों को एक मंच प्रदान किया, ताकि वे जनता के बीच अपना माल सीधे बेच सकें। गुप्ता ने बताया कि दिल्ली की जनता ने भी खुले दिल से स्वदेशी का समर्थन किया है।

स्वदेशी : भारत के विकास का मूल मंत्र

मनोज गुप्ता का स्पष्ट मत है कि स्वदेशी ही भारत के विकास का मूल मंत्र है। उन्होंने तर्क दिया कि स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से न केवल स्थानीय व्यापारी मजबूत होंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था भी सशक्त होगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच देश में स्वदेशी वस्तुओं के प्रचार-प्रसार में मज़बूती से अपना योगदान दे रहा है और प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश ने उनके प्रयासों को और अधिक गति प्रदान की है। यह जन-समर्थन स्पष्ट रूप से दिखाता है कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में देश की जनता भी सक्रिय भागीदारी निभा रही है।

गौरक्षक और भीड़ हिंसा पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की यूपी सरकार को कड़ी फटकार

-जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असअद मदनी ने कहा- राज्य प्रायोजित सांप्रदायिकता से बड़ा कोई नासूर नहीं, तहसीन पूनावाला दिशानिर्देशों की उपेक्षा निंदनीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने राहुल यादव बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (आपराधिक वाद संख्या 9567/2025) मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि न्यायालय ने हिंसा, मॉब-लिंचिंग और गौरक्षकों के अत्याचारों पर उत्तर प्रदेश सरकार को जो चेतावनी दी गई है, वह समय के अनुकूल है और सच्चाई को उजागर करने वाली है। ज्ञात हो कि न्यायालय ने प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा दर्ज की गई गौहत्या की एक एफआईआर को खारिज करते हुए कहा कि आज के दौर में भीड़ हिंसा आए दिन घटित होने वाली एक आम बात बन चुकी है, जो वास्तव में कानून के शासन की विफलता का संकेत है। इसके अलावा, पुलिस इसे रोकने के बजाय, हिंसा के पीड़ितों पर गलत एफआईआर दर्ज करके अराजकता और सामाजिक विभाजन पैदा कर रही है।

मौलाना मदनी ने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद लंबे समय से यह मुद्दा उठाती रही है कि गोरक्षा के नाम पर कानून को हाथ में लेने और निर्दोष लोगों को निशाना बनाने का सिलसिला बंद होना चाहिए। हमने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका भी दायर की थी, जहां न्यायालय ने सरकारों को तहसीन पूनावाला मामले में दिए गए निर्देशों का पालन करने का आदेश दिया था। लेकिन दुर्भाग्य से, सरकारों ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को ध्यान देने योग्य नहीं समझा, जिससे गोरक्षों का मनोबल और बढ़ गया। साथ ही, कानून बनाने और उनके क्रियान्वयन में राज्य प्रायोजित सांप्रदायिकता की भूमिका रहती है। मौलाना मदनी ने स्पष्ट किया कि देश के लिए राज्य प्रायोजित सांप्रदायिकता से बड़ा कोई नासूर नहीं है, जो भारत के संविधान की जड़ों को खोखला कर रही है। ज्ञात हो कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपनी टिप्पणी में लिखा है कि तहसीन एस पूनावाला बनाम भारत संघ (2018) के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सपष्ट निर्देश दिया था कि हर जिले में नोडल अधिकारी की नियुक्ति, विशेष टास्क फोर्स का गठन और भीड़ हिंसा के मामलों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना की जाए और उन अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए, जो अपने दायित्वों का पालन करने में विफल रहें। इन स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, उत्तर प्रदेश पुलिस ने केवल एक सर्कुलर जारी कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली और कोई औपचारिक सरकारी आदेश जारी नहीं किया। न्यायालय ने कहा कि जारी किया गया सर्कुलर केवल पुलिस सलाह तक सीमित था, जबकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 162 के तहत एक व्यापक सरकारी नीति की आवश्यकता है। साथ ही, संविधान के अनुच्छेद 141 के तहत अदालती आदेशों का पालन अनिवार्य और बाध्यकारी है। मौलाना मदनी ने कहा कि कानून तोड़ने, निर्दोष नागरिकों को अपमानित करने या उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन करने का कोई औचित्य प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है।

विजय नगर में अवैध ई-सिगरेट रैकेट का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिगरेट की बिक्री के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया और 410 प्रतिबंधित ई-सिगरेट बरामद की गईं। यह कार्रवाई 16 अक्टूबर को मिली सूचना के आधार पर की गई। सहायक पुलिस आयुक्त सुनील श्रीवास्तव, ईआर-द्ब, क्राइम ब्रांच की देखरेख में इंस्पेक्टर लिछमन के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने छापेमारी की।

उप महापौर जय भगवान यादव ने वार्डों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था की समीक्षा की, एजेंसियों को सख्त निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम के उप महापौर जय भगवान यादव ने शनिवार को किराड़ी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और सफाई एजेंसियों को सफाई कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर रोहिणी क्षेत्र की उपायुक्त सुश्री रिशिता गुप्ता, निगम अधिकारीगण, कर्मचारीगण और स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे। उप महापौर ने मौके पर उपस्थित नागरिकों से बातचीत कर उनकी शिकायतें और सुझाव सुने तथा अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

ढलाव घरों की सफाई पर विशेष ध्यान

निरीक्षण के दौरान उप महापौर जय भगवान यादव ने ढलाव घरों से कूड़ा उठाने के कार्य की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कूड़ा उठाने वाली निजी एजेंसियां केवल मशीन से कूड़ा उठाकर न रुकें, बल्कि मशीन से बचा अवशिष्ट कूड़ा भी पूरी तरह साफ करें, ताकि आसपास गंदगी और दुर्गंध की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को यह भी चेतावनी दी कि यदि किसी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था में लापरवाही पाई गई, तो जिम्मेदार ठेकेदारों पर कार्रवाई की जाएगी।

निगम विद्यालय में जलभराव की समस्या पर दिए निर्देश

उप महापौर ने मुबारकपुर डबास स्थित निगम विद्यालय का भी निरीक्षण किया। विद्यालय परिसर का मैदान सड़क के स्तर से नीचा होने के कारण बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है। इस पर उप महापौर ने निर्देश दिया कि मैदान का लेवल सड़क से ऊँचा किया जाए, ताकि बच्चों और शिक्षकों को असुविधा न हो।

स्थानीय नागरिकों से संवाद और आश्वासन

निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने उप महापौर से वार्ड में सफाई, सीवर जाम और सड़क मरम्मत से जुड़ी समस्याएं साझा कीं। उप महापौर ने मौके पर ही उपस्थित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के आदेश दिए।

उप महापौर जय भगवान यादव ने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था में कोताही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में नगर निगम राजधानी के नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर सुविधाओं से युक्त वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों और एजेंसियों से अपील की कि वे मिलकर स्वच्छ दिल्ली के लक्ष्य को साकार करने में योगदान दें।

मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण

राजकीय संग्रहालय, डैम्पियर नगर, मथुरा

निजी पूंजी निवेश को प्रोत्साहन

प्रदेश के यशस्वी मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशन में उ.प्र. टाउनशिप नीति–2023 अंतर्गत 04 निजी विकासकर्ताओं को 280.64 एकड़ क्षेत्रफल के टाउनशिप का लाइसेन्स निर्गत किया गया। जिसके सापेक्ष जनपद में **रू. 1462 करोड़** का निवेश किया जा रहा है। इससे मथुरा की अवस्थापना सुविधाएं अधिक बेहतर और मजबूत होंगी।

फरवरी 2024 से सितंबर 2025 तक अवैध निर्माण के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही

- उ.प्र. नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 के अंतर्गत बिना मानचित्र स्वीकृत के अवैध निर्माण के विरुद्ध फरवरी 2024 से अब तक 690 नोटिस निर्गत की गयी।
- बिना मानचित्र स्वीकृत के अवैध निर्माण की नोटिस निर्गत उपरांत कार्य न रोके जाने पर उक्त समयांतर्गत 60 अवैध निर्माण पर सीलिंग की गई।
- 307 अवैध निर्माणों के विरुद्ध ध्वस्तीकरण आदेश पारित किए गए। जिसमें 85 का मौके पर ध्वस्तीकरण किया गया। साथ ही प्राधिकरण क्षेत्रांतर्गत 80 अवैध कॉलोनी का भी मौके पर ध्वस्तीकरण का क्रियान्वयन किया गया।
- प्राधिकरण क्षेत्रांतर्गत 59 अवैध निर्माणों के नोटिस के विरुद्ध शमन मानचित्र स्वीकृत किया गया, जिसमें 458.61 लाख रुपये का शमन शुल्क जमा कराया गया।

मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण क्षेत्रांतर्गत आम जनता से अपील की जाती है कि आवासीय, व्यावसायिक व अन्य किसी भी प्रकार के निर्माण करने से पूर्व प्राधिकरण से मानचित्र अवश्य स्वीकृत करायें। उ.प्र. सरकार द्वारा मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा मॉडल जोनिंग रेगुलेशंस 2025 लागू किया गया है। जिसमें मकान नक्शा पास की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और जन–उन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह छोटे भूखंड मालिकों, मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायियों के लिए राहतकारी है, साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सुनियोजित विकास को बढ़ावा देता है।

श्याम बहादुर सिंह (उपाध्यक्ष, एम.वी.डी.ए.)

मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण प्रदेश का पहला प्राधिकरण है, जो लैंड पूलिंग स्कीम अंतर्गत समस्त प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए आम जनता को लॉटरी के माध्यम से भूखंड आवंटन कर दिया है।

हनुमत विहार आवास योजना

क्षेत्रफल – 26.643 हेक्टेअर

अवस्थापना सुविधाओं पर अनुमानित लागत – रू. 194.04 करोड़

गोविंद विहार आवास योजना

क्षेत्रफल – 26.912 हेक्टेअर

अवस्थापना सुविधाओं पर अनुमानित लागत – रू. 182.23 करोड़

मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना अंतर्गत प्रस्तावित टाउनशिप रहीमपुर फरह एवं छाता।

प्रस्तावित क्षेत्र– 94.276 हेक्टेअर • **अनुमानित लागत**– रू.665.00 करोड़

प्रस्तावित क्षेत्र– 117.295 हेक्टेअर • **अनुमानित लागत**– रू.1265.00 करोड़

प्रसून द्विवेदी (पी.सी.एस)
विशेष कार्याधिकारी/सम्पत्ति अधिकारी
मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, मथुरा

अरविन्द कुमार द्विवेदी (पी.सी.एस)
सचिव,
मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, मथुरा

श्याम बहादुर सिंह (आई.ए.एस)
उपाध्यक्ष,
मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, मथुरा

शैलेन्द्र कुमार सिंह (आई.ए.एस)
आयुक्त, आगरा मंडल, आगरा/
अध्यक्ष, मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, मथुरा

मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, मथुरा
राजकीय संग्रहालय, डैम्पियर नगर, मथुरा
Email: vcmvda2014@gmail.com | Website: www.mvdamathura.com

Follow us on